

सत्यमेव जयते

# 71वीं गणतंत्र दिवस परेड 71<sup>st</sup> Republic Day Parade

26 जनवरी 2020 (6 माघ, 1941)  
26 January 2020 (6 Magha, 1941)



2





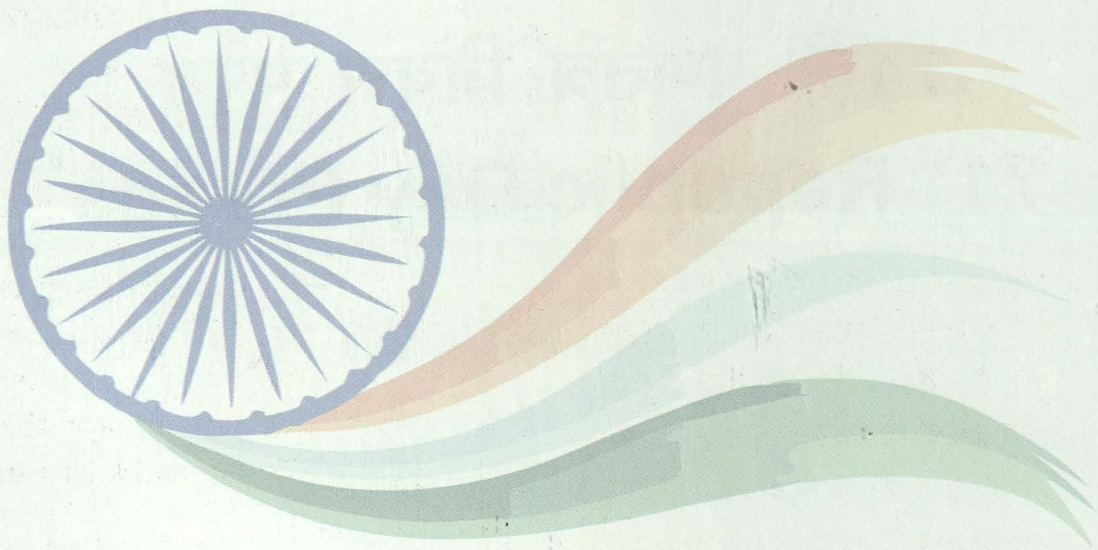


सत्यमेव जयते

# 71वीं गणतंत्र दिवस परेड 71<sup>st</sup> Republic Day Parade

26 जनवरी 2020 (6 माघ, 1941)  
26 January 2020 (6 Magha, 1941)

4





### कार्यक्रम

0957 बजे राष्ट्रपति का, मुख्य अतिथि, ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ राजकीय सम्मान सहित आगमन।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति एवं मुख्य अतिथि की अगवानी।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि से रक्षा मंत्री, रक्षा राज्यमंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाध्यक्षों तथा रक्षा सचिव का परिचय।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मुख्य अतिथि का मंच की ओर प्रस्थान।

राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है तथा राष्ट्रपति के अंगरक्षक राष्ट्रीय सलामी देते हैं। बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुति तथा 21 तोपों की सलामी।

गणतंत्र दिवस परेड आरंभ होती है।

सांस्कृतिक झांकी।

मोटर साइकिलों पर करतब।

विमानों द्वारा सलामी।

राष्ट्रीय सलामी।

राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि के साथ राजकीय सम्मान सहित प्रस्थान।

### Programme

0957 hrs. The President, accompanied by the Chief Guest, the President of Brazil arrives in state.

The Prime Minister receives the President and the Chief Guest.

The Prime Minister presents to the President and the Chief Guest, Raksha Mantri, Raksha Rajya Mantri, the Chief of the Defence Staff, the three Service Chiefs and Defence Secretary.

The President, the Prime Minister and the Chief Guest proceed to the rostrum.

The National Flag is unfurled and the President's Body Guard presents the National Salute. The Band plays the National Anthem and a 21-Gun Salute is fired.

The Republic Day Parade commences.

The Cultural Pageant.

Motor Cycle Display.

Fly past.

National Salute.

The President, accompanied by the Chief Guest, departs in State.



## परेड क्रम

हेलीकॉप्टरों द्वारा पुष्प वर्षा

परेड कमांडर

परेड उप-कमांडर

परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र पुरस्कार विजेता

## सेना

सवार दस्ते

61 घुड़सवार दस्ता

मैकेनाइज्ड दस्ते

टैंक टी- 90

बाल्वे मशीन पिकेट (बीएमपी-II/IIके)

155 एमएम/52 कैलिबर के-9 वज्र गन प्रणाली

155 एमएम/45 धनुष गन प्रणाली

5 मीटर शार्ट स्पेन ब्रिज

सर्वत्र ब्रिज प्रणाली

परिवहनीय सेटेलाइट टर्मिनल (टीएसटी)

आकाश [दो लांचर एवं एक टी एल रडार]

अत्याधुनिक हल्के हेलीकॉप्टरों (एएलएच) द्वारा सलामी

## The Order of March

Showering of flower petals by Helicopters

Parade Commander

Parade Second-in-Command

Param Vir Chakra and Ashok Chakra Awardees

## ARMY

Mounted Column

61 Cavalry

Mechanised Columns

Tank T-90

Ballway Machine Pikate(BMP-II/IIK)

155 mm/52 Calibre K-9 Vajra Gun System

155mm/45 Dhanush Gun System

5 Meter Short Span Bridge

Saravatra Bridge System

Transportable Satellite Terminal (TST)

AKASH [Two Launchers, one TL Radar]

Fly Past by Advance Light Helicopters (ALH)



## मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ियां

## Marching Contingents

पैरा रेजिमेन्टल केन्द्र

Para Regimental Centre

ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्टल केन्द्र

Grenadiers Regimental Centre

एसीसी एण्ड एस

: बैण्ड ध्वनि

ACC & S

: Band playing

मद्रास इंजीनियर्स ग्रुप और केन्द्र

"अरुण वैद्य

Madras Engineers Group & Centre

"Arun Vaidya

आर्टिलरी रेजिमेंटल केंद्र

महावीर"

Artillery Regimental Centre (Hyderabad) Mahavir"

सिख लाईट रेजिमेन्टल केन्द्र

Sikh Light Regimental Centre

कुमाऊ रेजिमेंटल केंद्र

Kumaon Regimental Centre

11 गोरखा राइफल्स रेजिमेन्टल केन्द्र

11 Gorkha Rifles Regimental Centre

39 गोरखा प्रशिक्षण केन्द्र

: बैण्ड ध्वनि

39 Gorkha Training Centre

: Band playing

कुमाऊ रेजिमेंटल केंद्र

"विजय रथ"

Kumaon Regimental Centre

"Vijay Rath"

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र

Garhwal Rifles Regimental Centre

सिग्नल कोर

Corps of Signals

सेना वायु रक्षा कोर

Corps of Army Air Defence

बंगाल इंजीनियर्स ग्रुप और केन्द्र

: बैण्ड ध्वनि

Bengal Engineers Group & Centre

: Band Playing

ब्रिगेड ऑफ गार्ड प्रशिक्षण केंद्र

"सैम बहादुर"

Bde of Guards Training Centre

"Sam Bahadur"

3 ईएमई केन्द्र

3 EME Centre

मद्रास रेजिमेंटल केन्द्र

Madras Regimental Centre

भूतपूर्व सैनिकों की झांकी

Veteran Tableau

### नौसेना

### NAVY

नौसेना ब्रास बैंड

: बैंड ध्वनि

Naval Brass Band

: Band playing

'जय भारती'

"Jai Bharati"

नौसेना की मार्च करती हुई टुकड़ी

Naval Marching Contingent

झांकी

Tableau

(भारतीय नौसेना – शांत, सशक्त और तेज)

(Indian Navy – Silent, Strong and Swift)



## वायु सेना

वायु सेना बैंड : बैंड ध्वनि  
'साउंड बैरियर'

वायु सेना की मार्च करती हुई टुकड़ी

झांकी

(भारतीय वायु सेना : दि कटिंग एज)

## रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

एएसएटी – मिशन शक्ति

भारतीय वायु सेना रणनीतिक नियंत्रण रडार  
(एडीटीसीआर)

## अर्ध-सैनिक एवं अन्य सहायक बल

भारतीय तट रक्षक बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: सीआरपीएफ : बैंड ध्वनि 'देश के  
हम हैं रक्षक'

सीआरपीएफ की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: आईटीबीपी : बैंड ध्वनि 'सारे  
जहां से अच्छा  
हिंदोस्तां हमारा'

आईटीबीपी की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: सीआईएसएफ : बैंड ध्वनि  
'अमर सेनानी'

सीआईएसएफ की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड: दिल्ली पुलिस : बैंड ध्वनि  
'दिल्ली पुलिस गान'

दिल्ली पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

सीमा सुरक्षा बल की ऊंट टुकड़ी

बैंड: सीमा सुरक्षा बल के ऊंट : बैंड ध्वनि  
'हम हैं  
सीमा सुरक्षा बल'

## AIR FORCE

Air Force Band : Band playing  
"Sound Barrier"

Air Force Marching Contingent

Tableau

(Indian Air Force: The Cutting Edge)

## DEFENCE RESEARCH & DEVELOPMENT ORGANISATION

ASAT – Mission Shakti

Air Defence Tactical Control Radar (ADTCR)

## PARA-MILITARY AND OTHER AUXILIARY FORCES

Coast Guard Marching Contingent

Band: CRPF : Band playing "Desh Ke  
Hum Hain Rakshak"

CRPF Marching Contingent

Band: ITBP : Band playing "Sare  
Jahan Se Accha  
Hindustan Hamara"

ITBP Marching Contingent

Band: CISF : Band playing  
"Amar Senani"

CISF Marching Contingent

Band: Delhi Police : Band playing  
"Delhi Police Anthem"

Delhi Police Marching Contingent

BSF Camel Contingent

Band: BSF Camel : Band Playing  
"Hum Hain  
Seema Suraksha Bal"



## राष्ट्रीय कैडेट कोर

## NATIONAL CADET CORPS

बैंड: छात्र (एनसीसी) : बैंड ध्वनि " कदम  
कदम बढ़ाये जा"

Band: Boys (NCC) : Band Playing " Kadam  
Kadam Badhaye Ja"

छात्रों की मार्च करती हुई टुकड़ी

Boys Marching Contingent

बैंड: छात्राएं (एनसीसी) : बैंड ध्वनि " सारे  
जहां से अच्छा "

Band: Girls (NCC) : Band Playing " Sare  
Jahan Se Achcha"

छात्राओं की मार्च करती हुई टुकड़ी

Girls Marching Contingent

## राष्ट्रीय सेवा योजना

## NATIONAL SERVICE SCHEME

राष्ट्रीय सेवा योजना की मार्च करती हुई टुकड़ी

National Service Scheme Marching Contingent

सामूहिक पाइप एवं ड्रम बैंड : तेज चाल—  
अलमोड़ा

Massed Pipes & : Quick March—  
Drums Bands Almora



## सांस्कृतिक प्रस्तुति

ज्ञांकी : 22 (बाईस)

### प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2020

खुली जीप में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेता बच्चे

## बच्चों की प्रस्तुति

### स्कूली बच्चों के कार्यक्रम

1. एजी डीएवी पब्लिक स्कूल, मॉडल टाउन, दिल्ली
2. पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (डब्ल्यूजेडसीसी), उदयपुर
3. विनय नगर बंगाली एसएसएस, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली
4. सर्वोदय कन्या विद्यालय, बी-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली

### मोटर साइकिलों पर करतब

सीआरपीएफ (महिला टुकड़ी)

### विमानों द्वारा सलामी

(मौसम अनुकूल रहने पर)

1. **ध्वज आकृति** : 'विपरीत वाई आकृति' में राष्ट्रीय ध्वज और अपनी सेनाओं के ध्वजों सहित चार हेलिकॉप्टर्स आगे बढ़ते हुए।
2. **ध्रुव आकृति** : 'हीरे की आकृति' में दो अत्याधुनिक हल्के हेलिकॉप्टर्स एवं सेना विमान का 'रुद्र' नाम एएलएच के दो सशस्त्र हेलिकॉप्टर्स आगे बढ़ते हुए।
3. **रुद्र आकृति** : तीन एएलएच एमके IV डब्ल्यूएसआई हेलिकॉप्टर्स 'वीआईसी आकृति' में आगे बढ़ते हुए।
4. **चिनूक आकृति** : तीन चिनूक हेलिकॉप्टर्स 180 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से 'वीआईसी आकृति' में आगे बढ़ते हुए।

## THE CULTURAL PAGEANT

Tableaux : 22 (Twenty two)

### PRADHAN MANTRI RASHTRIYA BAL PURASKAR, 2020

Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar Vijeta in open Jeeps

## CHILDREN'S PAGEANT

### School Children Items

1. AG DAV Public School, Model Town, Delhi
2. West Zone Cultural Centre (WZCC), Udaipur
3. Vinay Nagar Bengali SSS, Sarojini Nagar, New Delhi
4. Sarvodaya Kanya Vidhyalaya B-Block, Janakpuri, New Delhi

### Motor Cycle Display

CRPF (Female team)

### FLY-PAST

[If weather permits]

1. **Ensign Formation** : The formation comprises four helicopters in 'inverted Y formation' carrying the national ensign and respective service ensigns.
2. **Dhruv Formation** : The formation comprises two Advanced Light Helicopters and two armed version of the ALH named 'RUDRA' of Army Aviation in 'Diamond Formation'.
3. **Rudra Formation** : The formation comprises three ALH Mk IV WSI helicopters flying in 'Vic' formation.
4. **Chinook Formation** : The formation comprises three Chinook Helicopters flying in 'Vic' formation at a speed of 180 Km/h.



5. **अपाचे आकृति** : 'एरोहेड' आकृति में पांच अपाचे हेलिकाप्टर 180 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से आगे बढ़ते हुए।

6. **डार्नियर आकृति** : तीन डार्नियर विमान 'वीआईसी आकृति' में आगे बढ़ते हुए।

7. **हरक्यूलिस आकृति** : तीन सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस विमान 350 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से 'वीआईसी आकृति' में आगे बढ़ते हुए।

8. **नेत्र आकृति** : इस आकृति में एक एईडब्ल्यू एंड सी विमान तथा सुखोई-30 एमके आई विमान 420 कि. मी. प्रति घंटा की गति से 'वीआईसी आकृति' में आगे बढ़ रहे हैं।

9. **ग्लोब आकृति** : तीन सी-17 ग्लोबमास्टर 500 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से डिस्प्लेस्ड ट्रेल 'वीआईसी आकृति' में आगे बढ़ते हुए।

10. **जगुआर आकृति** : तीर की आकृति में पांच जगुआर विमान 780 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आगे बढ़ते हुए।

11. **फलक्रम आकृति** : पांच मिग-29 लड़ाकू विमान आगे बढ़ते हुए।

12. **सुखोई आकृति** : तीन एसयू-30 एमके आई विमान त्रिशूल आकार में आगे बढ़ते हुए।

13. **फ्लेंकर आकृति (वर्टिकल चार्ली)** : 900 किलोमीटर प्रतिघण्टा की रफ्तार से आकाश को चीरते हुए वर्टिकल चार्ली के साथ सुखोई-30 एमके आई विमान आते हुए।

5. **Apache Formation** : The formation comprises five helicopters flying in 'Arrowhead' formation at a speed of 180 Km/h.

6. **Dornier Formation** : The formation comprises three Dornier aircraft flying in 'Vic' formation.

7. **Hercules Formation** : The formation comprises three C-130J Super Hercules aircraft flying in 'Vic' formation at a speed of 350 Km/h.

8. **Netra Formation** : The formation comprises one AEW & C aircraft and two SU-30MKI aircraft flying in 'Vic formation' at a speed of 420 Km/h.

9. **Globe Formation** : The formation comprises three C-17 Globemaster flying in 'displaced trail Vic' formation at a speed of 500 Km/h.

10. **Jaguar Formation** : Five Jaguar aircraft flying in arrowhead formation at a speed of 780 Km/h.

11. **Fulcrum Formation** : The formation comprises five MiG-29 fighter aircraft.

12. **Sukhoi Formation** : Trishul maneuver by three Su-30 MKI aircraft.

13. **Flanker Formation (Vertical Charlie)** : Alone Su-30 MKI flying at a speed of 900 Km/h splits the sky with a 'Vertical Charlie'.

**गुब्बारों का छोड़ा जाना** : भारत मौसम विज्ञान विभाग

**Release of balloons** : India Meteorological Department



## सांस्कृतिक प्रस्तुति

आज भारत अपना 71वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति हमारी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति की झलक प्रस्तुत करती है जो भारत के गौरवशाली अतीत का प्रतीक है तथा समृद्ध और खुशहाल भविष्य के प्रति देशवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है।

रंग बिरंगी झांकियों का वर्ण-विन्यास भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकी पहलुओं का चित्रण करता है। इन झांकियों में हमारे भौगोलिक सौंदर्य तथा वास्तु-शिल्पीय धरोहर को दिखाया गया है।

## CULTURAL PAGEANT

Today, India celebrates its 71<sup>st</sup> Republic Day. The cultural pageant presents a glimpse of our ancient civilization, cultural diversity and progress; it symbolises both India's glorious past and reflects the citizens' aspirations for a prosperous and happy tomorrow.

The array of colourful tableaux depicts the social, cultural, economic and technological facets of India, capturing both the beauty of our landscape and our architectural heritage.





### छत्तीसगढ़ के पारंपरिक शिल्प और आभूषण

झांकी में छत्तीसगढ़ के लोक जीवन के कलात्मक सौंदर्य को प्रदर्शित किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के कुल क्षेत्र का 43 प्रतिशत से अधिक हिस्सा वनों से घिरा है। आज भी इस राज्य की जनजातीय परंपराएं अपनी मूल रूप में उपस्थित हैं। इनमें वे कला-परंपराएं भी शामिल हैं, जिनके जरिए लोक-आस्थाएं, मान्यताएं और परिकल्पनाएं मुखर रूप से व्यक्त होती हैं। जन-जातीय कलाकारों द्वारा तैयार की गई आदिवासी कलाकृतियाँ इस क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहास को दर्शाती हैं और संपूर्ण भारतीय समाज के सांस्कृतिक विकास के विभिन्न चरणों को प्रतिबिंबित करती हैं।

यह झांकी छत्तीसगढ़ के लोक जीवन की विशाल झलक को संक्षेप में प्रस्तुत करती है और जनजातीय समाज की शिल्पकला के माध्यम से उनके सौंदर्य-बोध को रेखांकित किया गया है। आभूषणों और प्रतिमाओं से लेकर दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं तक में इस कला को देखा जा सकता है।

झांकी के प्रथम भाग में बेल मेटल से तैयार की गई भगवान शिव के वाहन – 'नंदी' की मूर्ति को दर्शाया गया है। यह ढोकरा कला का सर्वोत्तम नमूना है। अत्यंत सुंदरता से सजी यह प्रतिमा न केवल आध्यात्मिक पक्ष को प्रकट करती है बल्कि जीव-जंतुओं के प्रति आदिवासियों के प्रेम को भी दर्शाती है। इस झांकी के नजदीक पारंपरिक नृत्य और संगीत को भी प्रस्तुत किया गया है। झांकी के मध्य भाग में पारंपरिक आभूषणों से सुसज्जित आदिवासी युवती है जो अपने भावी जीवन की कल्पना में खोई हुई है। पश्च भाग धान रखने के लिए ढोकरा कला से अलंकृत एक भंडार गृह को दर्शाता है। इसके नजदीक लौह से तैयार नाविकों के द्वारा उनके सुख के सतत प्रवाह और उनके जीवन की निरंतरता को दर्शाया गया है। झांकी के दोनों तरफ आदिवासी लोक नृतक गौर नृत्य करते हुए चल रहे हैं जो 'मारिया' जनजाति का विशिष्ट सांस्कृतिक नृत्य है।

— छत्तीसगढ़

### TRADITIONAL CRAFT & ORNAMENTS OF CHHATTISGARH

The tableau showcases the artistic beauty of Chhattisgarh's folk life. Over 43 per cent of the total area of Chhattisgarh is covered with forest. Even today, tribal traditions of the state are present in their originality, which include traditional art, through which the local beliefs, values and presumptions are expressed in a more explicit way. Artifacts made by tribal artists show cultural history of their area and reflects various stages of cultural development of the entire Indian society.

The tableau summarizes the broad horizon of Chhattisgarh's folk life and earmarks the art forms of tribal society, ranging from ornaments to idols to things used in day to day life.

The front portion of the tableau consists of an idol of 'Nandi' – vehicle of Lord Shiva, made up of bell metal. This is the best sample of Dhokra Art. The idol embellished with utmost beauty not only showcases the spiritual side of folk life but also depicts tribal's love towards living creatures. The traditions of dance and music are also displayed near this craft. The middle portion shows a tribal girl adorned with traditional ornaments dreaming about her future. The rear part depicts a storage space for paddy beautifully adorned with Dhokra art. Nearby, boat sailors made up of wrought iron depicting the continuous flow of happiness and eternity of life are showcased. Tribal folk dancers performing Gaur Dance which is special traditional dance of 'Maria' Tribe, can be seen along both sides of the tableau.

- CHHATTISGARH



## अय्यनार देवता और तमिलनाडु के लोक नृत्य

तमिलनाडु राज्य की झांकी राज्य के कुछ लोक नृत्यों और ग्रामदेवता कहलाए जाने वाले अय्यनार देवता की प्रतिमा को प्रदर्शित करती है।

तमिलनाडु की प्राचीन संस्कृति में नृत्य कला अपना अनूठा महत्व रखती है। मंदिरों के उत्सवों में भगवान की आराधना करने के लिए किए जाने वाले लोक संगीत और लोक नृत्य गांव वासियों का मनोरंजन भी करते हैं। राज्य में गांव के प्रवेशद्वारों पर ही अय्यनार देवता की विशाल मूर्तियां देखने को मिलती है। यह मान्यता है कि यह देवता शैतानी ताकतों से गांव वासियों की रक्षा करते हैं। अय्यनार मंदिरों में सामान्यतः इनकी रंगबिरंगी मूर्तियां होती हैं और इनके रक्षक घोड़े या हाथी की सवारी करते हुए दिखते हैं।

झांकी के पहले भाग में घोड़े पर सवार अय्यनार देवता को दर्शाया है। अय्यनार मंदिर के अनुरूप ही अय्यनार के रक्षक तथा टेराकोटा घोड़ों को घोड़े के नजदीक दिखाया गया है। झांकी के दूसरे भाग में कलाकारों को पिनल कोलाट्टम नामक तमिल नृत्य की प्रस्तुति करते दिखाया गया है। तीसरे भाग में काम्बू नाम का ध्वनि वाद्य बजाने वाले कलाकारों को दिखाया गया है। झांकी के चौथे भाग में थपट्टम नृत्य का नमूना दिखाया गया है। झांकी के पांचवे भाग में ओयिलट्टम नृत्य की प्रस्तुति दिखाई गई है। झांकी के अंतिम भाग में रक्षक देवता अय्यनार की भव्य मूर्ति को प्रदर्शित किया गया है। अय्यनार भगवान की मूर्ति के निचले हिस्से में टेराकोटा हाथियों को दिखाया गया है। नमूने मॉडल के निकट निचले आधार पर कारागट्टम की प्रस्तुति करते हुए कलाकार दिखाई देते हैं। इस झांकी के साथ-साथ नीचे भूतल पर घाट्टम प्रस्तुत करते हुए कलाकार हैं जिनके साथ पारम्परिक तमिल वेशभूषा में भोपू बजाते हुए संगीतकारों द्वारा नाथस्वरम, थाविल और ग्रामीण संगीत (पंबई) की प्रस्तुति की गई है।

— तमिलनाडु

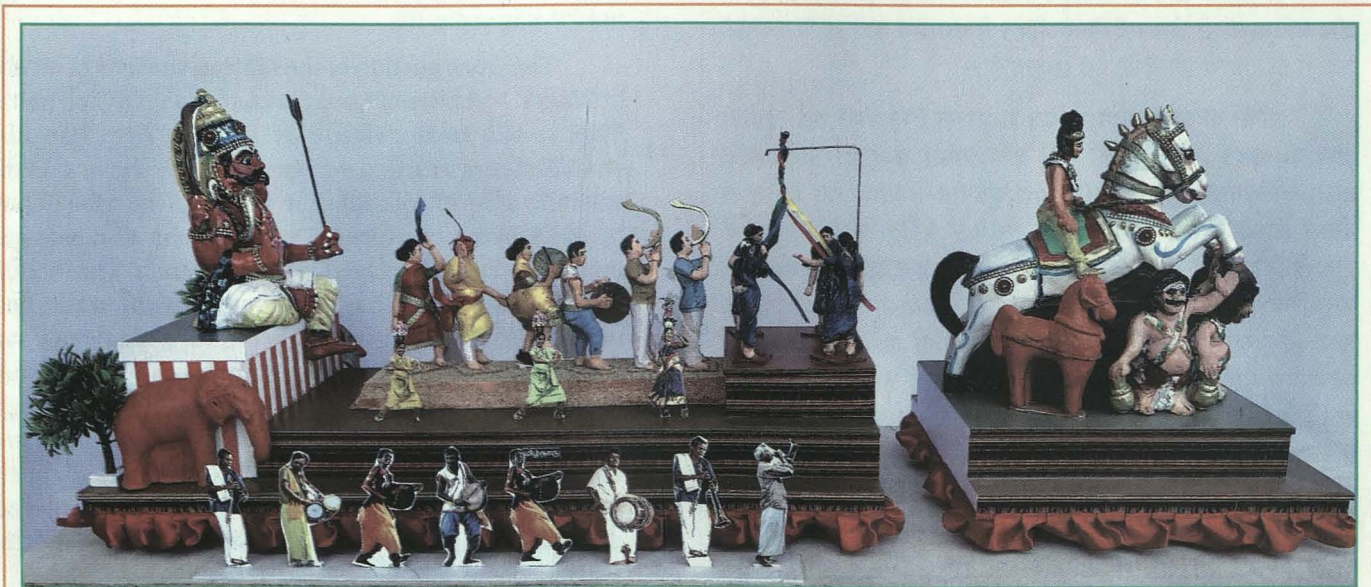
## IYYANAR DEITY AND FOLK DANCES OF TAMIL NADU

The tableau of Tamil Nadu State showcases some of the folk dances of Tamil Nadu and the Iyyanar statue, the guardian deity of villages.

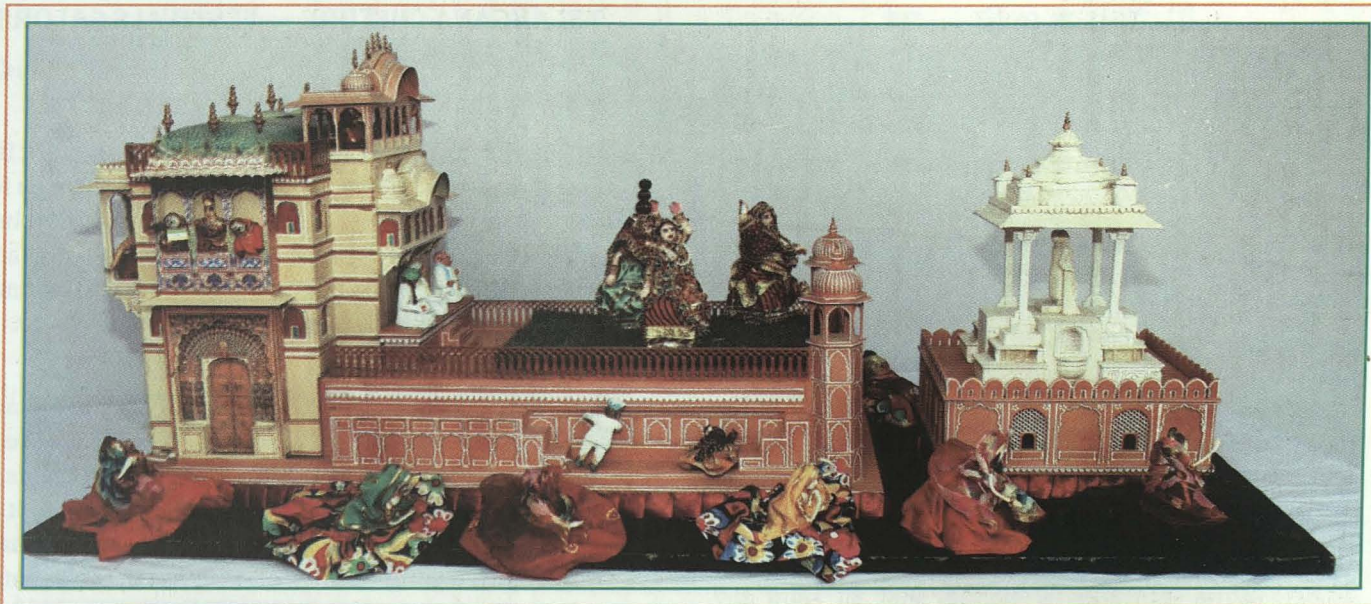
Dance forms an integral part of Tamil's culture. The folk music and dance performed during temple festivals for worship also provides entertainment to the villagers. Iyyanar statues are gigantic and installed at the entrance of villages with the belief that he would protect the villagers from the evil forces. The temples of Iyyanar are usually flanked by colourful statues of him and his attendants either riding a horse or elephant.

The tableau in the front portion features a model of Iyyanar riding a horse. Iyyanar's attendants and terracotta horses are showcased near the horse as seen in Iyyanar temples. The tableau in the second portion shows a live performance of *Pinnal Kolattam*. The third portion features a model of musicians playing *Kombu* (Horn), a pipe instrument. The fourth portion showcases a model of *Thappattam*. The fifth portion of tableau features a model of *Oyilattam*. The tableau in the last portion showcases a huge statue of Iyyanar, the guardian deity. Terracotta elephants are showcased at the base of the Iyyanar statue. At the lower pedestal near the dummy models, artistes perform *Karagattam*. Accompanying the tableau, on the ground, artists perform *Thappattam*, along with musicians in traditional dress playing horn, *Nathaswaram*, *Thavil* and rural music (*Pambai*).

- TAMIL NADU







### विश्व विरासत शहर जयपुर और इसका सांस्कृतिक वैभव

जयपुर, राजस्थान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है, इसे गुलाबी शहर के नाम से भी जाना जाता है। ऐतिहासिक प्राचीन शहर जयपुर की स्थापना भारत के प्रथम नियोजित शहर के रूप में महाराजा सवाई जयसिंह के संरक्षण में 1727 ई. में की गई थी। यूनेस्को ने जयपुर को हाल ही में विरासत स्थल घोषित किया है।

झांकी जयपुर शहर की हेरिटेज इमारतों/स्थलों के वैभव को प्रदर्शित करती है। शहर के आकर्षक विरासत सौंदर्य को दर्शाने के लिए जाली झरोखा से सजाया गया है जिसमें बाजारों, स्मारकों, बड़े प्रवेश द्वारों, सिटी पैलेस प्रवेश द्वार, त्रिपोलिया दरवाजा, स्टेच्यू सर्किल को शामिल किया गया है।

झांकी के प्रथम भाग में, स्टेच्यू सर्किल पर प्रोटोटाइप मार्बल की सवाई जयसिंह की मूर्ति पर गुम्बदनुमा कैनोपी (छतरी) को दिखाया गया है जो एक आकर्षक आभा प्रस्तुत करती है। झांकी का मध्य भाग जयपुर की ख्याति और सुन्दरता की आभा को दर्शाता है। इसे गुलाबी दीवारों, जाली और मेहराबों से सजाया गया है। झांकी के पृष्ठ भाग में सिटी पैलेस में स्थित सुसज्जित चन्द्रमहल के रंगीन डिजाइन और इसके स्थापत्यकला से सजे गुम्बद को दिखाया गया है। प्रसिद्ध कठपुतली नृत्य पौराणिक कथाओं से कहानियों को चित्रित करता है और इसकी त्रिस्तरीय खिड़की रूपी आभूषण ने झांकी को बहुत खूबसूरत बनाया है जो दर्शकों को कल्पनाशील और आकर्षित करती है। लोक कलाकार सारंगी, ढोलक और मंजीरे बजा रहे हैं। राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता रामदेवजी पीर के 'रुण झुण बाजे घूघरा' लोक गीत के साथ भव्य नृत्य प्रस्तुत किया जा रहा है।

— राजस्थान

### WORLD HERITAGE CITY Jaipur its cultural legacy

Jaipur, the largest city and the capital of Rajasthan, is also referred to as Pink City. The historic walled city of Jaipur was founded in 1727 AD under the patronage of Sawai Jai Singh as India's first planned city. Recently, Jaipur has been declared World Heritage site by UNESCO.

The exhibition showcases the glory of heritage buildings/sites of Jaipur City. It is decorated by jaali jharokha, to display the city's magnetic heritage beauty that encompasses markets, monuments, grand gateways, City Palace Gateway, Tripolia Gate, Statue Circle, etc.

The forefront of the tableau shows Statue Circle, Prototype Marble of Statue of Sawai Jai Singh with dome-shaped overhead canopy (chhatari) offering a fascinating aura. The middle portion of the tableau capture the glory and fascinating beauty of Jaipur. It has been festooned with pink walls, jaali and mehrabs. The rear part of the tableau exhibits colored Chandramahal within the City Palace, decorated with its beautiful architectural domes. The celebrated puppet dance (kathputli) depicting stories from mythology and legends from its three overhead windows ornamenting the very charm of this jhanki catch the audiences' imagination and attraction. Folk artists are playing sarangi (string instrument), dholak (drummer) and manjeera (cymbals). A magnificent dance performance is being presented on famous Rajasthan folk song, 'Run jhun baaje ghooghra' of folk deity of Rajasthan-Baba Ramdevji Peer.

- RAJASTHAN



## तेलंगाना संस्कृति – पर्व

तेलंगाना राज्य जो भारत का नवीनतम राज्य है, अपनी झांकी प्रस्तुत करता है जो कि संस्कृति – पर्व के समृद्ध मिश्रण पर है।

इस झांकी में सर्वप्रथम बतुकम्मा को प्रदर्शित किया गया है। यह तेलंगाना का फूलों का त्यौहार है। इस त्यौहार को महिलाओं द्वारा सितम्बर/अक्तूबर के माह में मनाया जाता है। बतुकम्मा का तात्पर्य 'गौरी माता सजीव रूप में प्रतीत होती हैं' और यह त्यौहार संरक्षक, स्त्रीत्व की देवी का प्रतीक है। माता गौरी की बतुकम्मा के रूप में पूजा की जाती है।

इसके पश्चात, प्रस्तुत झांकी में समक्का-सारलम्मा जातरा जिनको लोकप्रिय रूप में मेदाराम जातरा के रूप में जाना जाता है, की प्रस्तुति दी गई है। इस त्यौहार को दो वर्षों में चार दिनों के लिए एक बार मनाया जाता है। जातरा का प्रारंभ मुलुगू जिले में ताड़वाई मंडल के मेदाराम से होता है। ऐसा विश्वास है कि कुंभ मेले के पश्चात, मेदाराम जातरा देश में सर्वाधिक भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस झांकी में हजार स्तंभ वाले मंदिर जो वारंगल शहर के हनमकोंडा में स्थित है, की प्रतिकृति है।

इस मंदिर का निर्माण महान काकतिया शासक रुद्र देव के द्वारा 1163 ई. में करवाया गया था। इस मंदिर में तीन प्रमुख देवताओं अर्थात् भगवान विष्णु, शिव (रुद्रेश्वर स्वामी) तथा सूर्य देव को स्थान दिया गया है। इस अदभुत मंदिर में 1000 स्तम्भ हैं जिन पर सुंदर रूप में शिल्पकला का प्रदर्शन किया गया है। तेलंगाना राज्य में गोडु, कोलम, थोती, प्रधान, बंजारा, चेंचू, कोया, माथुरी जैसी अनेक जनजातीय समूह पाये जाते हैं। इस झांकी के मध्य भाग और सतह में जनजातीय लोग अपनी पारंपरिक पोशाकों और वाद्य यंत्रों के साथ हैं जिन्हें उनके समुदायों के त्यौहारों और पर्वों में विविध रूप में देखा जा सकता है।

— तेलंगाना

## TELANGANA CULTURE — FESTIVALS GALORE

Telangana State, the youngest state of India represents its tableau on rich mix of culture, Festivals.

On the tableau first we can see Bathukamma. It is a floral festival of Telangana. It is celebrated by women for nine-days during the month in September/October. Bathukamma means 'Mother goddess come alive' and the festival symbolizes the patron, Goddess of woman hood. Goddess Gowri is worshipped in the form of Bathukamma.

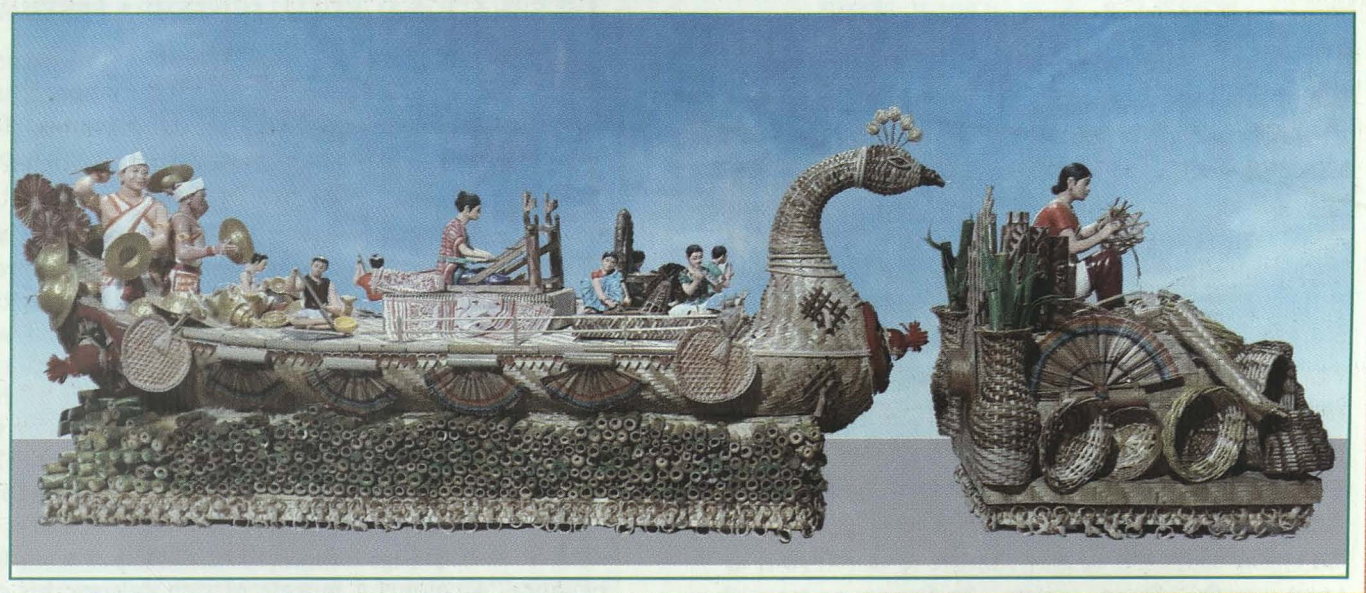
Thereafter, we see Sammakka-Saralamma Jatara, popularly known as Medaram Jatara. It is held once in two years (biennial) for four days. The Jatara begins at Medaram in Tadvai Mandal in Mulugu District. It is believed that after Kumbha Mela, the Medaram Jatara attracts the largest numbers of devotees in the country. In the tableau, there is a replica of the thousand pillars temple which is located in Hanamkonda of the Warangal City.

The temple was constructed in the 1163 AD by the great Kakatiya ruler Rudra Deva. The temple has three presiding deities-Lord Vishnu, Shiva (Rudreshwara Swamy) and Surya Deva. The amazing temple is supported by the 1000 pillars that are richly carved. Telangana is mix of several tribal groups mainly Godu, Kolam, Thoti, Pradhan, Banjara, Chenchu, Koya, Mathuri. There are tribal people on the Middle portion and on the ground with their traditional costumes and musical instruments, which can be vividly seen in the festivals of respective communities.

- TELANGANA







### असम – अनूठी शिल्पकला एवं संस्कृति का प्रदेश

असम राज्य की हरी-भरी वादियां अपने आप में एक गहन सौन्दर्य को छिपाए हुए हैं, जिसमें विभिन्न संस्कृतियां और परम्पराएं एक साथ बसती हैं।

असम की बाँस और बेंत की शिल्पकलाएं यहां की वन्य-भूमि में उपलब्ध संसाधनों से समृद्ध हैं। विभिन्न प्रकार की उत्तम गुणवत्ता वाले कच्चे माल की उपलब्धता असम की जीवन शैली और अर्थव्यवस्था का मुख्य हिस्सा है। इन शिल्पकलाओं में अनेक उत्पाद शामिल हैं जैसे बाँस की चटाई, सीतल पाटी, विभिन्न आकारों तथा आयतनों वाली टोकरियां, सूप, चलनी, जापी (पारंपरिक छतरियां), मछली पकड़ने के अलग-अलग प्रकार के उपकरण इत्यादि। एक अन्य नायाब उत्पाद 'धारी' यानी बाँस की चटाई है।

प्रस्तुत झांकी में एक महिला को हथकरघा चलाते हुए दिखाया गया है, जिसके पीछे की डोरी को ऊपर-नीचे खींच कर बुनाई की जाती है। हालांकि इसका प्रयोग बहुत ही आम है, लेकिन असम के पर्वतीय क्षेत्रों में पारंपरिक वस्त्रों को इस करघे पर बेहद चाव से बुना जाता है। बुने गए कपड़ों का स्पर्श थोड़ा खुरदुरापन लिए हुए होता है। इन कपड़ों की बहर यानी चौड़ाई अपेक्षाकृत रूप से कम होती है, इसलिए आम तौर पर दो या तीन टुकड़ों को एक साथ सिल कर परिधान बनाए जाते हैं। सत्रीया संगीत एवं नृत्य सदियों से असम की विशेष पहचान रहे हैं। विभिन्न नृत्य शैलियों में, भोरताल नृत्य को कलाकारों के मध्य सर्वाधिक लोकप्रियता हासिल है, जिसका प्रदर्शन इस झांकी में किया गया है। असम के सर्वाधिक जोशीले नृत्य भोरताल की गौरवपूर्ण खोज सत्रीया कलाकार श्री नरहरि बुरहा भक्त जी ने की थी। भोरताल नृत्य की सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए, नर्तक को इस नृत्य की पहचान बन चुकी 'थिया नाम' ताल पर भाव प्रदर्शन के समय बहुत ही ऊर्जावान और रचनाशील रहना पड़ता है।

— असम

### ASSAM — LAND OF UNIQUE CRAFTSMANSHIP AND CULTURE

Assam is a verdant valley of mystic beauty, conglomeration of different culture and traditions.

Bamboo and cane crafts of Assam is rich in sylvan resources and the availability of raw material of great versatile forms takes an integral part of the lifestyle and economy of Assam. These crafts have a variety of products like bamboo mats, sital pati, baskets of various sizes and shapes, winnowing trays, sieves, japi (traditional umbrella), various types of fishing implements, etc. Another remarkable item is 'Dhari' or bamboo mat.

In the tableau a woman is using a loin loom which has a back strap with a continuous horizontal warp. Though it is commonly used, this is very famous in the hill districts of Assam to weave the traditional cloths. The woven cloth tend to have a ribbed texture. As the width is relatively narrow, two to three pieces are generally stitched together to complete a garment. Sattriya music and dance has been an integral part of Assam since hundred years. Among the various dance forms, Bhortal Nritya is one of the most popular dances practiced in the State, which is displayed and performed as a part of the Tableau. The most zealous dance forms in Assam, Bhortal Nritya is the proud discovery of Sattriya artist Named Narahari Burha Bhakat. To bring off the Bhortal Nritya in the best way, dancers have to be energetic, creative with expressions because of the signature 'Thiya Nam' beats.

- ASSAM



## अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव

हिमाचल प्रदेश की यह झांकी अंतर्राष्ट्रीय विश्व प्रसिद्ध कुल्लू घाटी में मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय दशहरे के उत्साह और उत्सव को प्रदर्शित कर रही है। कुल्लू घाटी को देव भूमि के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि हर गांव में अपना स्थानीय देवता होता है।

कुल्लू दशहरा देश के अन्य राज्यों की तुलना में एक अलग पारम्परिक और आनन्ददायक तरीके से मनाया जाता है। नवरात्रों में न दुर्गा पूजा नहीं होती है, रामलीला नहीं होती है और रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले भी नहीं जलाए जाते हैं। यह स्थानीय देवी-देवताओं का एक सप्ताह का संगम है, जो आश्विन (अक्तूबर) माह की विजयदशमी से प्रारंभ होकर पूर्णिमा के दिन समाप्त होता है। सत्रहवीं शताब्दी के इस उत्सव की तारीख का पता इसके इतिहास से चलता है, स्थानीय शासक राजा जगत सिंह (1637-62 ई.) द्वारा तपस्या के प्रतीक के रूप में कुल्लू के अधिष्ठाता देव रघुनाथ जी की मूर्ति को अपने सिंहासन पर स्थापित किया था। समृद्ध संस्कृति, इतिहास, अनुष्ठान और विश्वास का एक रंगीन चित्रण रथ मैदान में भगवान रघुनाथ जी की खूबसूरती से डिजाइन किए लकड़ी के रथ को स्थापित करने के बाद प्रारंभ होता है, जो 300-350 देवताओं की उपस्थिति के मध्य विराट भक्ति गायन और नृत्य के साथ मनाया जाता है।

झांकी के अग्र भाग में स्थानीय देवता के मोहरे (चेहरों) को दिखाने वाले देवरथ को दर्शाया गया है। झांकी के मध्य में एक देवता की पालकी जमीन पर रखी हुई है और दूसरे देवता की पालकी चार वाहकों के कंधों पर रखे हुए प्रदर्शित किया गया है तथा अंत में भगवान रघुनाथ, कुल्लू घाटी के मुख्य देवता के रथ को दर्शाया गया है जिसको भक्तगण खींच रहे हैं। झांकी के दोनों तरफ पारंपरिक संगीतकारों को पारंपरिक संगीत यंत्रों पर देवधुन बजाते हुए आगे बढ़ते दिखाया गया है।

— हिमाचल प्रदेश

## INTERNATIONAL KULLU DUSSEHRA FESTIVAL

The tableau of Himachal Pradesh showcases fervour and festivity of world famous International Kullu Dussehra celebrated in Kullu valley known as Dev Bhoomi (valley of Gods) as each village has its own local deity.

The Kullu Dussehra has a distinct flavour and tradition compared to the rest of the Country. There is no Durga Pooja during Navratras, no enactment of Ram Lila and no effigies of Ravana, Kumbhakaran and Meghnath are burnt. It is a week long congregation of the local devtas and devis, which begins on the 10th of white lunar period of Asvin (October) and ends on the full moon day. A festivity that dates back to 17th Century traces its history with the installation of idol of Ragunath Ji on his throne, presiding God of Kullu, by local Ruler Raja Jagat Singh (1637-62 AD) as a mark of penance. A colourful mosaic of rich culture, history, ritual and faith, the festivity commences after installing Lord Raghunath Ji on beautifully designed wooden chariot at Rath maidan, graced amidst presence of 300-350 devtas, the following days are celebrated with great devotion, singing and dancing.

The front of tableau depicts Devrath decorated by local deities. The middle portion showcases one deity palanquin grounded and other deity palanquin shouldered by four bearers. In rear, chariot of Lord Raghunath, chief deity of Kullu valley has been depicted which is being pulled by Devlus (devotees). On the both sides of tableau bajantries (traditional musicians) have been shown marching forward while playing devdhun (deity tune) on traditional instruments.

- HIMACHAL PRADESH







### जनजातीय संग्रहालय, भोपाल

यह झांकी भोपाल में स्थित मध्यप्रदेश के जनजातीय संग्रहालय की है जो जनजातीय जीवन, देशज ज्ञान परम्परा, कला, शिल्प और सौंदर्यबोध पर केंद्रित है। यह संग्रहालय आदिम एवं जनजातीय सौंदर्य चेतना और सृजनेच्छा के विविध आयामों पर प्रकाश डालती है।

मध्यप्रदेश की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, कला परम्परा एवं सामाजिक संरचना से परिचित और लाभान्वित होने के लिए यह संग्रहालय देश-विदेश के पर्यटकों, जिज्ञासुओं, अध्येताओं एवं विद्वानों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।

झांकी के आगे का भाग गोंड जनजाति के घर के बाहरी हिस्से का है। मिट्टी के इन घरों की दीवारों को गोंड स्त्रियां सदियों से मिट्टी में विविध आकारों और उपलब्ध संसाधनों तथा रंगों से सजाती रही हैं। घर के ऊपर टेराकोटा में निर्मित जनजातीय खिलौना गाड़ी और अनुष्ठानिक प्रतीक रखा गया है। झांकी के मध्य और अंतिम भाग की पृष्ठभूमि काष्ठ शिल्प में निर्मित नर्मदा नदी के उत्पत्ति की कथा है। कथा के सामने गोंड जनजाति का काष्ठ शिल्पी, चौसर खेलती बालिकाएं, मसाला पीसती स्त्री और बैगा जनजाति का काष्ठ शिल्पी हैं। मध्य भाग की छत पर गोंड वादक नृत्य कर रहे हैं तथा बच्चे गेंडी बॉल खेल रहे हैं। झांकी के अंतिम भाग में छत पर कोरक जनजाति का अलंकृत घर है और घर के ऊपर गोंड जनजाति के वादक हैं। झांकी के साथ गोंड, जनजाति की महिलाएं एवं पुरुष वादक सैला नृत्य कर रहे हैं।

— मध्यप्रदेश

### TRIBAL MUSEUM, BHOPAL

This tableau depicts the Tribal Museum of Madhya Pradesh, situated in Bhopal, which centres around the life of tribals, their tradition of indigenous knowledge, art, craft and their aesthetic sense and throws light upon the different dimensions of the tribal heritage of Madhya Pradesh.

The Museum is centre of attraction for tourists, scholars and researchers to get acquainted with the tribals' rich culture, and heritage and their tradition of art and social structure.

The front of the tableau displays the outer portion of the house of Gond Tribe. From Centuries, Gond Women use to decorate the walls of their houses by giving variety of new forms to the applied mud and colouring them with the available resources and colours. Above the house, a toy-cart and a ritualistic emblem crafted in the terracotta is placed. The backdrop in the middle and rear part narrates the origin of the river Narmada in wood craft. In front of this narration, we see a wood craftsman of Gond tribe, girls are playing chausar and a woman grinding spices and another wood craftsman of Baiga tribe is crafting. The middle part of the roof illustrates the kids playing Gendi ball and some Gond instrumentalists are playing music and dancing. The end part displays an ornate house of Korku tribe and above the house there are instrumentalists of Gond tribes. The Men, Women and instrumentalists of Gond tribe are dancing, which is known as 'Saila Naach' along with the exhibition.

- MADHYA PRADESH



## समुद्री तट

गोवा राज्य की यह झांकी जैवविविधता और आजीविकाओं के साथ वहां के समुद्री तट को प्रस्तुत कर रही है। भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गोवा अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है।

झांकी के अग्र भाग में चट्टान पर गिटार बजाते हुए एक मेढ़क को चित्रित किया गया है जिसके साथ केंकड़े, तारामछली तथा चारों ओर शंख प्रतीत हो रहे हैं। दो डॉल्फिन को पानी से बाहर झांकते हुए दिखाया गया है। गोवा सरकार 'मेढ़क बचाओ' अभियान संचालित करती है।

झांकी के मध्य भाग पर छोटी सुंदर नावों से घिरा भारी भरकम शंख है, जो सीपियों जैसे शंखों से बनी हैं, जहाँ रंगबिरंगे परिधानों, जिनमें पारंपरिक कुनबी साड़ी और रंगीन पोशाक शामिल हैं, में नर्तकियों और स्थानीय लोगों को दर्शाया है। एक मछुआरा एक पारंपरिक नाव से अपना जाल डालते दिख रहा है। परिधि पर एक मत्स्यांगना, मछलियां, सितारा मछली और कई प्रकार के गोले और शंख दर्शाये गये हैं। झांकी के पीछे की ओर, पणजी में स्थित, आवर लेडी ऑफ द इम्मेक्यूलेट कॉन्सेप्शन के राजसी चर्च को दर्शाया गया है। चर्च की ओर जाने वाली जिग जैग सीढ़ियां इसे एक प्रभावशाली रूप प्रदान करती हैं।

— गोवा

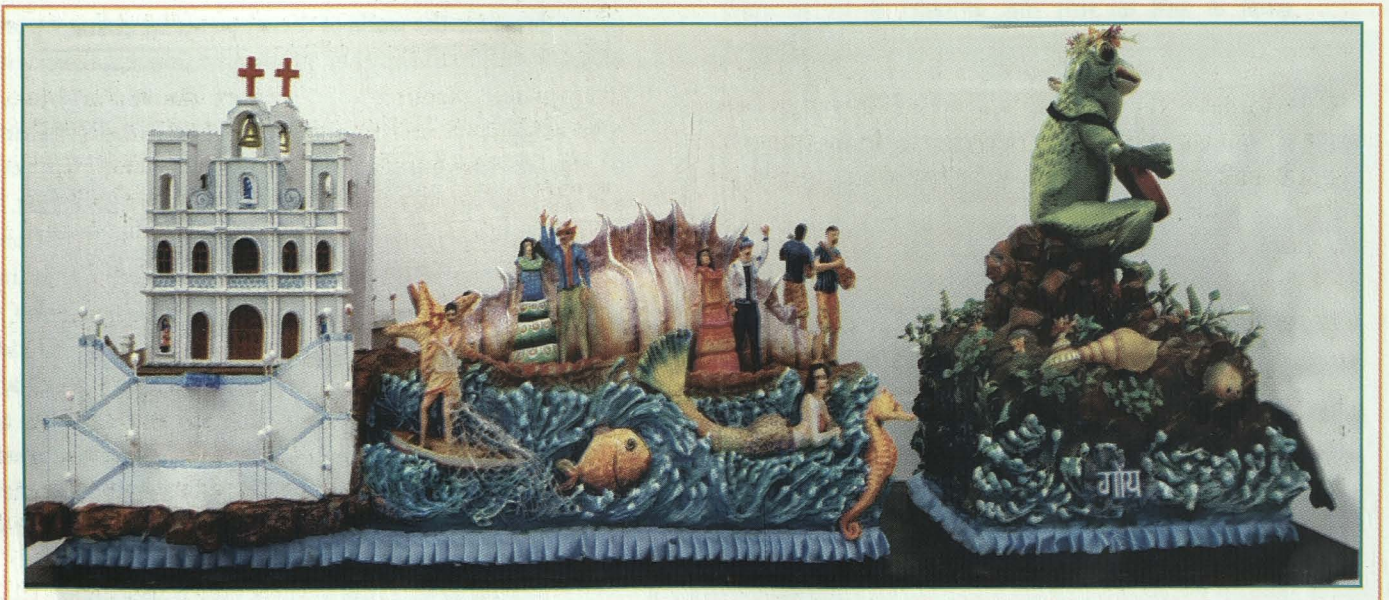
## SEASHORE

This tableau depicts the seashore of Goa along with biodiversity and livelihoods. Located on the western coast of India, Goa is known for its natural beauty and rich cultural heritage.

The front of the tableau has a frog on a rock, playing guitar with crabs, starfish and shells around. Two dolphins peep out of the water. Government of Goa runs a "save the frog" campaign.

The middle portion has a huge shell surrounded by dainty boats made of oyster like shells with dancers and locals in colourful attire including the traditional Kunbi saree and colourful dresses. A fisherman is seen casting his net from a traditional fishing canoe. On the periphery, a mermaid, fishes, starfish and a variety of shells and conches have been displayed. The rear portion showcases the majestic Church of Our Lady of the Immaculate Conception, located in Panaji. The zig zag steps leading to the church make for an impressive sight.

- GOA







### भगवान लिंगराज की रुकुना रथ यात्रा

ओडिशा की झांकी में भगवान लिंगराज की रुकुना रथ यात्रा को दर्शाया गया है, जिन्हें भुवनेश्वर के छठी शताब्दी के मंदिर में भगवान शिव एवं भगवान विष्णु (हरिहर) दोनों ही रूपों में पूजा जाता है।

त्रेता युग में चैत्र के महीने में भगवान राम एकम्रा (भुवनेश्वर) क्षेत्र में आए थे। वह भगवान लिंगराज के अतिथि के तौर पर रामेश्वर मंदिर में रुके थे। रामनवमी के दिन भगवान लिंगराज अपने पूरे परिवार के साथ उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे थे। इस अद्भुत मुलाकात से ही इस उत्सव की शुरुआत हुई थी। श्रद्धालुगण भगवान लिंगराज के प्रतिनिधि श्री चन्द्रशेखर के साथ, देवी रुकमणि, कुमारा और नंदीकेश्वर की रामेश्वर मंदिर की ओर 4 दिवसीय यात्रा के लिए 35 फीट ऊंचे रथ को खींचते हुए आनंद से भर जाते हैं।

इस रथ के सामने का हिस्से रुकुना रथ को प्रदर्शित करता है जिसे धरती मां के रूप में पूजा जाता है। मर्दला और घंटों की ताल, शंख की गूंज और पंडितों के मंत्रोच्चारण से एक दिव्य अहसास की अनुभूति होती है। झांकी के बीच वाले हिस्से में भगवान शिव का पवित्र वाहन नंदी मंदिर की सुरक्षा में तैनात है। शोभायमान मंदिर के गृभगृह में स्थापित भगवान शिव के लिंग का भक्तगण श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हैं। मध्य भाग में मनोहर ओडिशी डांसर भगवान शिव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दर्शाये गये हैं। झांकी के पृष्ठ भाग में भगवान लिंगराज का मंदिर प्रदर्शित किया गया है जिसमें यज्ञ शाला, नाट्य शाला, गर्भगृह और भोग मंडप नामक चार अलग-अलग भाग शामिल हैं। कई छोटे-छोटे मंदिरों से भरे हुए मंदिर का परिसर वास्तुकला की कलिंगा शैली को प्रदर्शित करती एक बड़ी दीवार से घिरा हुआ है जिस पर बहुत ही सुन्दर नक्काशी भी है। झांकी के साथ कलाकार ओडिशी नृत्य शैली पर नृत्य एवं 'ओम नमः शिवाय' का जाप करते चल रहे हैं।

— ओडिशा

### LORD LINGARAJA'S RUKUNA RATHA YATRA

The tableau of Odisha showcases the famous Rukuna Ratha Yatra of Lord Lingaraja, worshipped as both Lord Shiva and Lord Vishnu (Harihar), in a 6th Century build temple named "Lingaraj Temple" at Bhubaneswar.

During the Treta Yuga, Lord Rama visited Ekamra Kshetra (Bhubaneswar) during Chaitra. He stayed at Rameswara temple as a guest to Lord Lingaraja. Lord Lingaraja along with family visited Lord Rama to wish him on his birthday, the Ramanavami. The festival originated from this significant visit. The devotees get filled with joy as they pull the 35 feet high chariot with Chandrasekhar, the representative of Lord Lingaraja, Goddess Rukmini, Kumara and Nandikesvara, who embark on a 4-day sojourn to Rameswara Temple.

The tableau front denotes the Rukuna Ratha, worshipped as Mother Earth. The beats of *mardala* and *ghantua*, the blowing of the conch shells and the chant of hymns by the pandits, create a divine ambience. In the middle, the Vahana of Lord Shiva, "Nandi" is placed to guard the main temple. The devotees gazes in the adoration Lord Shiva's linga in the sanctum sanctorum. Specially crafted Odishi dancers paying homage to lord Shiva are displayed on the middle. The rear part displays the temple of Lord Lingaraja, which includes four distinct part called Yajna Shala, Natya Shala, Garbh Griha and Bhoga Mandap. The temple complex comprising of a number of small shrines is enclosed by a large compound wall in Kalinga style of architecture with beautiful scriptures. The tableau is accompanied by artists dancing and chanting "Om Namaha Shivaya" on Odissi dance style.

- ODISHA



## दो मंजिला जीवंत जड़ सेतु मानव एवं प्रकृति का साथ-साथ कार्य

मेघालय, भारत का इक्कीसवां राज्य, जिसे बादलों का प्रदेश भी कहा जाता है, इसकी स्थलाकृति की समानता, प्राकृतिक सुंदरता तथा वनस्पति के आधार पर इसकी तुलना स्कॉटलैंड से की जाती है। यहां विविध और भरपूर हरियाली, ऊंची-नीची पहाड़ियां, फूलों से भरी ढलानों, आश्चर्यचकित करने वाले सुंदर जलप्रपात, पहाड़ी झरने, उड़ते-लहराते धुंध के समूह, निस्तब्ध झीलें और वनस्पतियों तथा प्राणियों की बेशुमार प्रजातियां, जिनमें शामिल है एक खास तरह का अनूठा जीवंत जड़ों से बना सेतु – जो प्राकृतिक प्रक्रिया और मनुष्यों की सरलता का एक अनोखा संगम है, जो कि झांकी का विषय है।

मेघालय की खासी और जयंतिया जनजाति के लोग पेड़ों की बाहरी जड़ों से सेतु बनाने की अपनी विशेष क्षमताओं के लिए भी जाने जाते हैं। यहां दिखाए गए सेतु रबर के वृक्षों की जड़ों से बनाए गए हैं। स्थानीय भाषा में इस तरह के सेतुओं को “जिंकिंग दियेंगजरी” कहा जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ है – रबर के पेड़ का पुल। इस प्रकार के ज्यादातर सेतु एक ही वृक्ष की जड़ों से बनाए जाते हैं। इसके लिए इन जड़ों को खींच कर नदी या झरने की दूसरी तरफ से जाकर रोप दिया जाता है। इस तरह के पुल बनाने में लगभग तीस साल का समय लग जाता है। लेकिन आज इस तरह के पुल जो दो सौ साल से भी पुराने हैं, उन्होंने आधुनिक तकनीक से बनने वाले पुलों को भी पीछे छोड़ दिया है। जीवंत जड़ों वाले सेतु की विशेषता इनकी निरंतर वृद्धि और बदलते मौसम के साथ इन पर हरे-भरे पत्तों का आना और झड़ जाना है।

इस तरह का एक “दो मंजिला जीवंत जड़ सेतु” एक वनस्पतीय-अभियांत्रिकी का हैरत भरा नमूना है, जो मेघालय की पूर्वी खासी पहाड़ियों के सोहरा में, टीरना गांव के दक्षिण-पूर्व में बसे नोंग्रियाट गांव में स्थित है। टीरना गांव में यहां जाने के लिए पैदल-पथ मार्ग का उपयोग करते हुए 2200 फीट की सीधी ढलान पर उतरना पड़ता है।

— मेघालय

## DOUBLE DECKER LIVING ROOT BRIDGE

### Human and Nature Working in Tandem

Meghalaya, the abode of clouds is the 21st State of the Indian Union, often likened to Scotland for its topography, scenic beauty and vegetation. It presents a panorama of lush, rolling hills, heather-covered slopes, breathtakingly beautiful cascades, mountain springs, moving mists, silent lakes and a multitude of flora and fauna, including rare and unique marvels like the Living Root Bridge- a unique natural phenomenon coupled with human ingenuity, which is the theme of tableau.

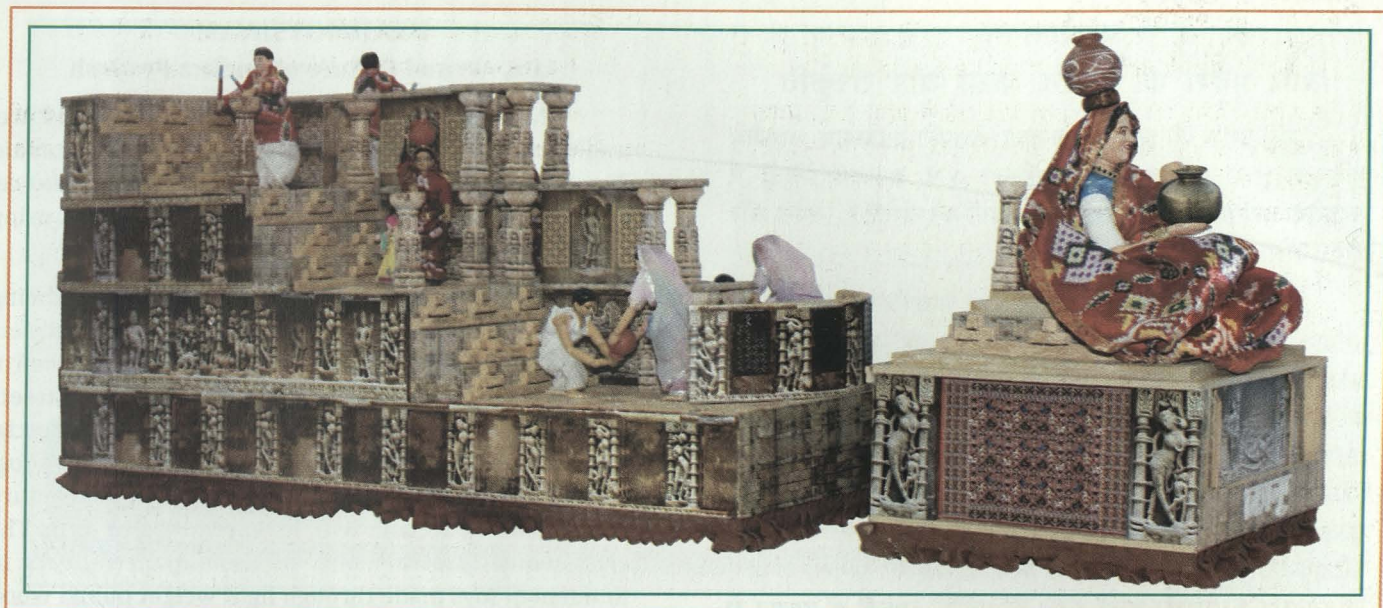
The Khasi and Jaintia people of Meghalaya have been known to have the capability of building bridges from secondary roots of trees, in this case from rubber trees. These bridges are locally known as, “Jingkieng Diengjri” literally meaning Rubber Tree Bridge. Most of these bridges are made from the roots of a single tree, stretched and planted on the other side of the stream or river. The time period taken to build these bridges is about thirty years. Yet these bridges now over two hundred years old have outlasted bridges made by modern technology. The living root bridges are known for their ability to keep on growing, bear and shed leaves as the seasons come and go.

This two-tier living root bridge is also one of such bio-engineering wonder located at Nongriat village lying South West of Tyrna village at Sohra, East Khasi Hills District of Meghalaya. The trek to the bridge is two and half hour with steep descent of approximately 2200 feet from Tyrna village.

- MEGHALAYA







### रानी की वाव (बावड़ी) — जल मंदिर

झांकी का विषय है रानी की वाव अर्थात रानी की बावड़ी जो गुजरात के पाटन शहर में स्थित प्राचीन भारतीय स्थापत्य शैली, निर्माण कार्य और शिल्पकारी का एक बेजोड़ नमूना है जो यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल के तौर पर घोषित की गई है। गुजराती संस्कृति की समृद्ध और सुंदर परंपरा को उजागर करती यह बावड़ी जटिल वास्तुकला तकनीक का अनुपम उदाहरण है।

सोलंकी वंश के संस्थापक मूलराज के पुत्र राजा भीमदेव—प्रथम की याद में उनकी पत्नी रानी उदयमती ने सन 1083 में रानी की वाव का निर्माण करवाया था। जल प्रबंधन की बेहतरीन मिसाल के रूप में यह बावड़ी आसपास के गांवों के लिए पानी का अहम स्रोत था। इसे एक औंधे मंदिर के रूप में तैयार किया गया है, जिसका उपयोग सामुदायिक जुड़ाव के स्थल के तौर पर किया जाता था। केंद्रीय विषयवस्तु भगवान विष्णु का 'दशावतार' यानी भगवान विष्णु के दस अवतारों की कलाकृतियां हैं।

इस झांकी के अग्रभाग में एक ग्रामीण महिला को इस मूर्ति के ऊपर मिट्टी के बर्तन में जल ले जाते हुए दिखाया गया है। इस सीढ़ीदार कुएं पर सीढ़ियों के जरिए नीचे उतरते हुए ठंडी हवाओं का अहसास होता है। इस प्रकार से आप कुएं के निचले तट तक पहुंचते हैं और वहां देखते हैं कि पूरा गलियारा सात भागों में विभाजित है। उक्त कुएं को गलियारा और सीढ़ियों के साथ झांकी के मध्य भाग में स्थान दिया गया है जबकि स्तंभों को झांकी के मध्य से अंत तक प्रदर्शित किया गया है। दीवार के मध्य भाग में बुद्ध और देवी की प्रतिमाओं को भी चित्रित किया गया है। प्रत्यक्ष कलाकारों को गरबा नर्तकों और पुत्री के साथ जल ले जाते हुए पनिहारी (ग्रामीण व्यक्ति को जल देते हुए) की भूमिका अदा करते हुए प्रदर्शित किया गया है।

— गुजरात

### RANI KI VAV — JAL MANDIR

The tableau of Gujarat is on the theme 'Rani ki Vav - Jal Mandir' which is a unique piece of ancient Indian architectural style, construction work and craftsmanship located in Patan city of Gujarat, declared by UNESCO as a World Heritage Site. This stepwell highlighting the rich and beautiful tradition of Gujarati culture is a unique example of complex architectural technique.

In 1083, Rani ki Vav was built by Rani Udayamati in memory of her husband King Bhimdev-I, son of Mulraj, the founder of the Solanki dynasty. Like the finest example of water management, this stepwell was an important source of water for the surrounding villages. It is designed as an inverted temple, which was used as a site of community engagement. The central theme is the 'Dasavatara' of Lord Vishnu, that is, the artworks of the ten incarnations of Lord Vishnu.

In the front portion, a woman of the village is shown carrying water in an earthen pot over this statue. The cold winds can be felt descending through the stairs at this step well. In this way, you can reach the lowest floor up to the well and the whole stepwell is divided into seven floors. The well is shown in the middle part of the tableau along with corridor and stairs with pillars shown in the middle to the end of the tableau. Also the statues of Buddha and Devi are shown in the middle wall. Live artists are performing characters of the Panihari (providing water to village man) carrying water with daughter and of Garba dancers.

- GUJARAT



## ब्रह्मोत्सवम्

### आंध्र प्रदेश का जीवन, कला और संस्कृति

आंध्र प्रदेश की झांकी तिरुमाला तिरुपति ब्रह्मोत्सव, शास्त्रीय कुचिपुडी नृत्य, कोंडापल्ली हस्तशिल्प और कलंकरी चित्रों में प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए लोगों की संस्कृति, परंपरा और जीवन शैली को प्रदर्शित करती है।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम् द्वारा आयोजित किया जा रहा भगवान वेंकटेश्वर का ब्रह्मोत्सव विश्व भर से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। भगवान बालाजी को 9 दिनों के दैवीय कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर के चारों ओर तिरुमाडा स्ट्रीट में विभिन्न वाहनों पर रथ यात्रा में ले जाया जाता है। 14वीं शताब्दी ई. में कृष्णा जिले के कुचिपुडी गांव के सिद्धेन्द्र योगी द्वारा विकसित कुचिपुडी नृत्य अपने प्राचीन नृत्य के रूप के विश्व में ख्याति प्राप्त है। कोंडापल्ली के कारीगरों की शिल्प कला कोंडापल्ली जंगलों के पास विजयवाड़ा में उपलब्ध हल्के वजन की पुनीकी लकड़ी के माध्यम से बनाए गए कोंडापल्ली खिलौनों में परिलक्षित होती है। एलिफेंट एम्बरी सहित विभिन्न रूपों में कोंडापल्ली के खिलौने ने दुनिया भर में लोगों की सराहना हासिल की।

आंध्र प्रदेश की झांकी का अगला भाग एलिफेंट एम्बरी और कोंडापल्ली के खिलौने के दशावतारालु के साथ बनाया गया है। मध्य भाग में प्राचीन कुचिपुडी नृत्य के रूप दिखाई देते हैं जिनमें भामा कलापम और श्रीनिवास कल्याणम शामिल हैं। पीछे का हिस्सा भक्तों के जयकारे के साथ तिरुमाला मंदिर को दर्शाता है। झांकी के दोनों ओर तिरुमाला के ब्रह्मोत्सव के दैवीय जुलूस को शेषावहनम, चंद्रप्रभा और सूर्यप्रभा के साथ दिखाया गया है, जिसमें भगवान वेंकटेश्वर को एक छत्र के नीचे और पीछे की तरफ चक्का भजना के साथ रथ यात्रा पर ले जाया जाता है।

— आंध्र प्रदेश

## BRAHMOTSAVAM

### Life, Art and Culture of Andhra Pradesh

The Andhra Pradesh Tableau reflects the culture, tradition and lifestyle of people showcasing the *Tirumala Tirupati Brahmotsavam*, *classical Kuchipudi dance*, *Kondapalli handicrafts* and *Kalankari paintings* using natural colours.

The Brahmotsavam of Lord Venkateswara being organized by Tirumala Tirupati Devasthanam attracts lakhs of devotees round the globe. Lord Balaji are taken in a procession on various vahanams in Tiru Mada Streets around the temple premises during the 9 day celestial event. The Kuchipudi dance developed by Siddendra Yogi of Kuchipudi village in Krishna district in 14th century AD won world acclaim with its ancient dance form. The craftsmanship of artisans of Kondapalli reflects in Kondapalli toys made through light weight puniki wood available in Vijayawada nearby Kondapalli forest. The Kondapalli toys in various forms including elephant ambary won the appreciation of people world over.

The front portion of the tableau has been designed with elephant ambary and Dasavatharalu of Kondapalli toys. The middle portion showcases the ancient Kuchipudi dance form including Bhama kalapam and Srinivasa kalyanam. The rear portion reflects the Tirumala temple with hovering of devotees. The both sides of the tableau showcase the celestial procession of Brahmotsavam of Tirumala with Seshavahanam, Chandraprabha and Suryaprabha in which Lord Venkateswara are taken in a procession under an umbrella with Chekkabajana on the backdrop.

- ANDHRA PRADESH







### उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन

उत्तर प्रदेश की झांकी में उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन को दर्शाते हुए राज्य के मूल तत्व “सर्व धर्म समभाव” को प्रदर्शित किया गया है। उत्तर प्रदेश की झांकी में काशी में गंगा की निर्मल धारा में यहां की सांस्कृतिक विरासत के अविरल प्रवाह की झलक के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित देवा शरीफ के सूफियाना मिजाज को भी दर्शाया गया है।

प्रस्तुत झांकी का आधार काशी है जो भारत की ‘सनातन’ संस्कृति का प्रतिबिम्ब है। झांकी के अगले हिस्से में बने प्लेटफार्म को संगीत वाद्य-यंत्रों से सुसज्जित किया गया है जो कि भारत के शास्त्रीय संगीत के लिए अनिवार्य हैं। जबकि प्लेटफार्म के नीचे काशी में वर्तमान में बहती पवित्र गंगा और इस प्राचीन धार्मिक स्थान की अविरल संस्कृति को दर्शाया गया है।

इस झांकी के मध्य में काशी की संगीत परंपरा को नई उंचाईयों पर पहुंचाने वाले प्रख्यात शहनाई वादक भारतरत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, तबला सम्राट पंडित सामता प्रसाद (गुदई महाराज) और स्वर साम्राज्ञी विदुषी गिरिजा देवी की प्रतिकृतियां भी प्रदर्शित की गई हैं। झांकी पर कथक नृत्य करते कलाकार झांकी को जीवंत बना रहे हैं। काशी की संत परम्परा को विशिष्ट पहचान देने वाले संत कबीर, संत रविदास और महात्मा गौतमबुद्ध की प्रतिकृतियां भी हैं। वहीं पार्श्व में बाराबंकी की मशहूर देव शरीफ का नजारा देखने को मिल रहा है जो प्रदेश की सूफियाना तासीर और सामासिक संस्कृति का संकेत दे रहा है। इसी के साथ झांकी के दोनों ओर ग्राउण्ड्स एलीमेंट के रूप में कलाकार, प्रदेश की प्रसिद्ध विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।

— उत्तर प्रदेश

### UP's CULTURAL & RELIGIOUS TOURISM

The Tableau of Uttar Pradesh mirrors the cultural and religious tourism of Uttar Pradesh and also the states's theme of “Sarva Dharma Sama bhav”. The tableau of Uttar Pradesh, presents the glimpses of incessant flow of Kashi's cultural heritage along with crystalline current of the Holy Ganga River on the one hand and on the other, it also recreates the ‘Sufiyana’ character of Deva Sharif located in Barabanki district of the state.

The fulcrum of this tableau is Kashi, the icon of India's ‘Sanatan’ culture. The platform, fabricated in the foreground of tableau, has been decorated with musical instruments which are sine qua non of India's classical music. The underneath of the platform presents the serene current of the Holy Ganga and ever flowing culture of this ancient religious place.

The Tableau, in the middle, has the replicas of the luminaries like eminent Shahnai player *Bharat Ratna Ustad Bismillah Khan*, *Tabla Maestro, Pandit Samta Prasad (Gudai Maharaj)* and *Singing Queen, Vidushi Girija Devi*, the luminaries who took the musical tradition of Kashi to a new zenith. The float of artists performing Kathak on the tableau is giving it a vibrant look. There are replicas of Sant Kabir and Sant Ravidas, who gave a distinguished identity to the Sant Tradition of Kashi. In its rear ground, there is a view of famous Dewa Sharif of Barabanki, which highlights the ‘Sufiyana’ character and composite culture of the state. Besides, on the both sides of the tableau, artists, as ground elements, are seen performing various famous cultural activities of the state.

-UTTAR PRADESH



## अनुभव मंडप

### मानव इतिहास की प्रथम सामाजिक-धार्मिक संसद

अनुभव मंडप (अनुभव केन्द्र), बारहवीं सदी के कल्याण कर्नाटक (आज के बीदर जिला के बसव कल्याण) में समाज सुधारक और संत बसवेश्वर द्वारा संस्थापित सामाजिक-धार्मिक केन्द्र है। शरणों (बसव आध्यात्मिकता के अनुयायी) से जुड़े सभी धार्मिक और चिंतन के मूल स्रोतों ने उन्नत नीति और शिक्षा व्यवस्था उदगम का मार्ग दर्शाया। आध्यात्मिक संत अल्लमप्रभु और कर्नाटक और देशभर के कई शरणों के नेतृत्व में इस संसद का उद्देश्य विशिष्ट सामाजिक-आध्यात्मिक क्रांति द्वारा सर्वधर्म समभावी समाज का निर्माण रहा। अनुभव मंडप-मानव सभ्यता के इतिहास के वैभवशाली अध्याय, का प्रतिनिधि बनने के लिए वर्ग, जाति, लिंग, व्यवसाय और संप्रदाय का भेदभाव किये बिना आध्यात्मिक सिद्धता ही एकैक मानदण्ड रहा है।

झांकी के आगे के भाग में बसवेश्वर का प्रतिरूप है जिस में वे अपना मूल्यवान संदेश कर्म ही पूजा है, का उपदेश दे रहे हैं। इन केन्द्रों के उत्साह को बढ़ावा देने के लिए इसकी अवधि और अनुभव के प्रतिनिधिक प्रतीकों सहित शरणों के विभिन्न प्रतिरूप बनाये गये हैं।

उभरा मंच, अनुभव मंडप का सार-जहां आध्यात्मिक और अन्य संत, रहस्यवादी और दार्शनिक अपने अनुभव बांट रहे हैं। लैंगिक समानता की प्रमुखता को दर्शाने के लिए अक्क महादेवी के अल्लमप्रभु के साथ संवाद करने के दृश्य को पुनर्सृजित किया गया है। अनुभव मंडप की प्रमुखता और उसके अस्तित्व की अवधि को चार स्तंभीय मंडप के शिखर पर अंकित किया गया है। इस झांकी के तल प्रदेश में इस समय में बसव दर्शन को प्रचलित करते हुए विविध लोक संस्कृतियों की समृद्ध समष्टि का चित्रण है। इस के साथ में अनुभव मंडप के तत्वों के तात्पर्य को और भी बढ़ावा देने के लिए शरणों के वचनों की रागबद्ध गायन की प्रस्तुति भी है।

— कर्नाटक

## ANUBHAVA MANTAPA

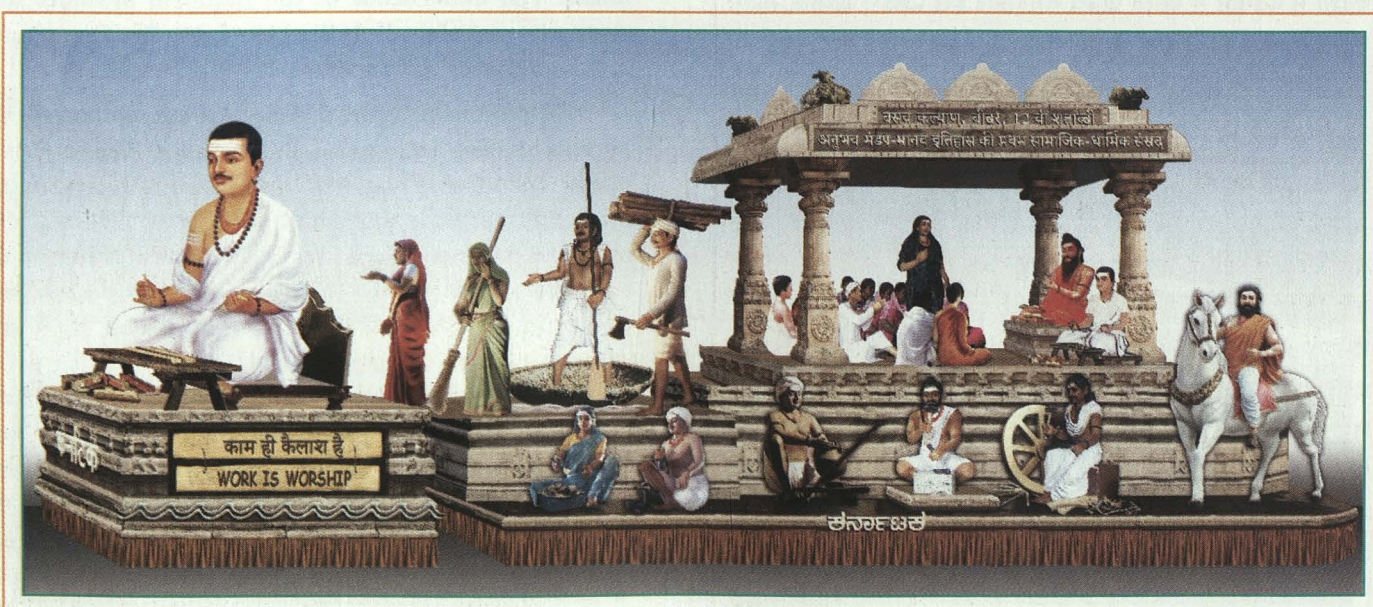
### The First Socio-Religious Parliament of Human History

Anubhava Mantapa (Centre for Experiences) was the socio-religious centre of the 12th century Kalyana Karnataka (present Basava Kalayana of Bidar district) founded by social reformer and saint Basaveshwara. This fountainhead of all religious and philosophical thoughts pertained to Sharanas (followers of Basava philosophy) gave rise to system of ethics and education. Presided by mystic Allama Prabhu and numerous Sharanas from Karnataka and across the country, this parliament was aimed at a unique socio-spiritual revolution to create an egalitarian society. Spiritual attainment, regardless of class, caste, gender, occupation and sect is the sole criteria to become the representatives Anubhava Mantapa - a glorious chapter annals of the history of human civilisation.

The front of the tableau has the replica of Basaveshwara, preaching his cherished value-work is worship. To enhance the spirit of Anubhava Mantapa besides symbolic representation of experiences and period, various replicas of Sharanas have been created.

The raised platform presents the essence of *Anubhava Mantapa*, where spiritual and other saints, mystics and philosophers are sharing their experiences. To emphasise gender equality, a scene where Akka Mahadevi engaged in a dialogue with Allama Prabhu has been recreated. Importance of *Anubhava Mantapa* and its period of existence are etched on top portion of the four-pillared tower. Ground element of the tableau is enriched with ensemble of different folk culture of the period that propagates Basava philosophy. The spirit of *Anubhava Mantapa* gets enhanced with rhythmic rendering of Vachana of Sharanas in the backdrop.

- KARNATAKA







### चलो गांव की ओर

पिछले साल शुरू हुए जम्मू-कश्मीर सरकार के 'बैक टू विलेज' कार्यक्रम को विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश के दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों से बड़े पैमाने में भारी प्रतिक्रियायें मिल रही हैं और यही इस झांकी की थीम है।

इसका उद्देश्य विकास के विभिन्न चरणों में प्राप्त हो सकने वाले एवं प्राप्त लक्ष्यों के अन्तर को समाप्त करना, शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों तक ले जाना और इसके प्रति आमजन के विश्वसनीय एवं सकारात्मक अनुभव से उत्पन्न फीडबैक प्राप्त करना है। यह झांकी संघ राज्य क्षेत्र के लोक संगीत एवं नृत्य की पृष्ठभूमि में कश्मीर की विभिन्न कलाओं के साथ जम्मू के पारम्परिक चित्रों के बसोली स्कूल को भी प्रचारित कर रही है। इतिहास के अलग-अलग दौर में कई सभ्यताओं ने जम्मू कश्मीर की सांस्कृतिक पच्चीकारी पर अपनी छाप छोड़ी है झांकी में इस संघ राज्य क्षेत्र के सांस्कृतिक जीवन और परम्परागत कला एवं शिल्प को दर्शाया गया है।

झांकी के अगले हिस्से में शॉल बुनकरों की बड़ी संरचना प्रदर्शित की गई है जो कश्मीर की विशिष्ट परम्पराओं के सांस्कृतिक समृद्धि को व्यक्त कर रही है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की संस्कृति को दर्शाने के लिए परम्परागत लोक संगीत को प्रस्तुत करते विभिन्न शिल्पकार दर्शाए गए हैं। इसके अलावा जम्मू से चित्रकारिता का परम्परागत बसोली स्कूल झांकी का एक महत्वपूर्ण घटक है जिसमें हेरिटेज भवन के आस-पास परम्परागत चित्र एवं वर्कशॉप प्रदर्शित किए गए हैं। झांकी में वनस्पति एवं पेड़-पौधों को भी स्थान दिया गया है और जम्मू-कश्मीर के विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आए कलाकार अपनी सांस्कृतिक पोशाक पहने हुए कश्मीरी एवं डोगरी लोक संगीत की धुन के साथ चल रहे हैं।

— जम्मू एवं कश्मीर केन्द्र शासित राज्य

### BACK TO VILLAGE

The Jammu and Kashmir Government's "Back to Village" programme started last year, is getting a massive response especially from the people living in the far-flung and backward areas of the Union Territory, which is the theme for the Tableau.

The aim is to bridge the gap between the achievable and achieved goals in the development, take governance to the door steps of residents in the rural and inaccessible areas and generate credible and empirical feedback. The tableau is promoting the Basoli School of traditional paintings of Jammu with the crafts of Kashmir in the backdrop of folk music and dances of the Union Territory. Throughout its history, numerous civilizations have left their imprints on the cultural mosaic of Jammu and Kashmir and as such the tableau depicts the cultural life and traditional arts and crafts of the Union Territory.

Front of the tableau is depicting the large sculpture of shawl weaver symbolizing the richness of unique tradition of Kashmir. This is followed by various crafts men engaged with variety of artifacts at display alongwith traditional folk musicians to depict the culture of J&K. Besides, the traditional Basoli school of painting from Jammu is the significant component of the tableau displaying traditional paintings and workshop in and around the heritage building. The tableau is enriched with flora and fauna and artist on ground from diverse cultures of J&K wearing various ethnic dresses are walking along in tune with the blend of Kashmiri and Dogri folk music.

- UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR



## श्री गुरुनानक देव जी का 550वां जन्मदिवस

इस वर्ष पंजाब राज्य की गणतंत्र दिवस की झांकी श्री गुरु नानक देव साहिब जी द्वारा प्रचारित मानवीय सिद्धांतों पर आधारित विचारधारा को समर्पित है। पंजाब की इस झांकी में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को विषय-वस्तु के तौर पर पेश किया गया है।

झांकी का अग्रभाग गुरु जी के विशाल हाथ से शुरू होता है, जिसे 'मणका माला' थामे हुए और 'कमंडल' के साथ दर्शाया गया है। दूसरे हिस्से में तीन सिद्धांत 'किरत करो', 'नाम जपो' और 'वंड छको' शामिल हैं जो सिख धर्म की आधारशिला हैं।

पृष्ठ भाग का प्रारंभ 'किरत करो' के संदेश से होता है, जो एक ईमानदार, पवित्र और समर्पित जीवन जीने से संबंधित है। 'नाम जपो' का संबंध ध्यान और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के भजनों के मौखिक गायन से है। 'वंड छको' इस बात पर जोर देता है कि आप के पास जो उपलब्ध है, उसे भाईचारे में बांट कर खाओ। झांकी के अंत में गुरुद्वारे को प्रेरणा और संपूर्ण मानव जाति का समर्थन करते हुए एक मजबूत स्तंभ के रूप में दर्शाया गया है।

— पंजाब

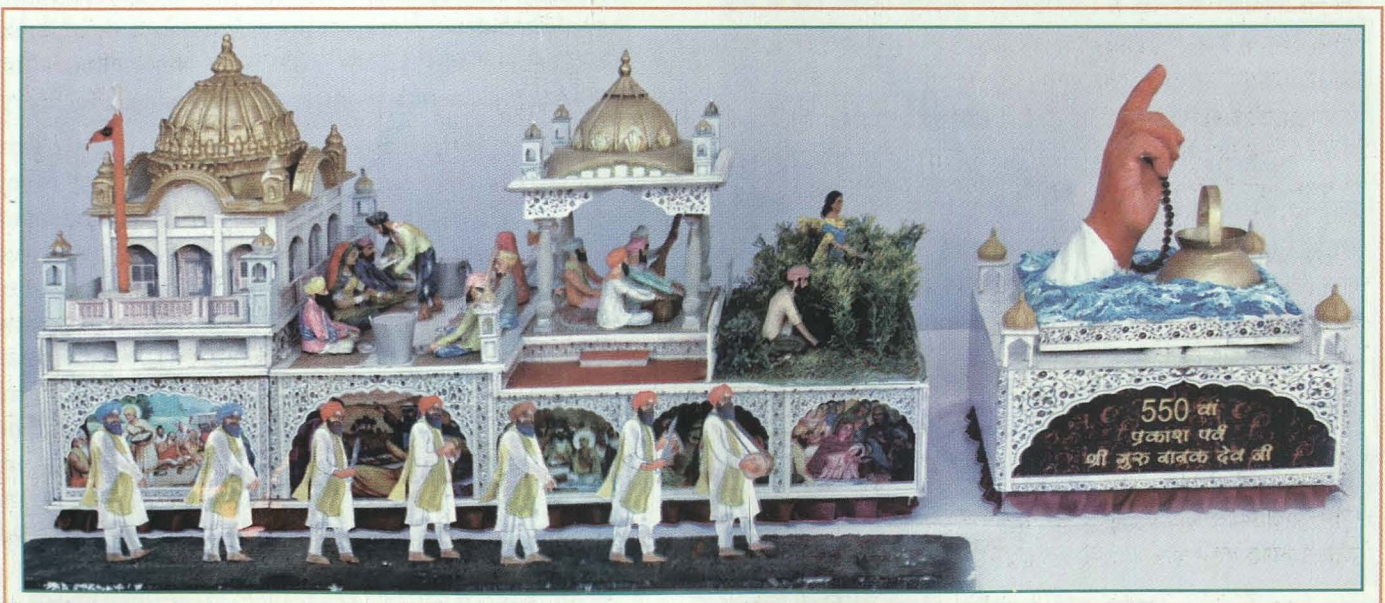
## 550<sup>TH</sup> BIRTH ANNIVERSARY OF SRI GURU NANAK DEV JI

This year's Republic Day Tableau for the State of Punjab is dedicated to the ideology based on the humane principles preached by Sahib Sri Guru Nanak Dev Ji. The theme in the tableau of Punjab State is the 550th Birth Anniversary of Sri Guru Nanak Dev Ji.

The front portion of the Tableau starts with a larger than life hand of the Guru with the 'MANKA MALA' in his hand, with the 'Kamandal'. The 2<sup>nd</sup> portion comprises 3 principles namely 'KIRAT KARO', 'NAAM JAPO', 'VAND CHHAKO' which form the cornerstone of the Sikhism.

The rear portion begins with the message of 'KIRAT KARO' which pertains to earn an honest, pure and dedicated living, 'NAAM JAPO', it refers to the meditation, vocal singing of hymns from the Sri Guru Granth Sahib. 'VAND CHAKKO', which lays emphasis on to share what you have and to consume it together as a community. The end of the Tableau shows the Gurudwara as an inspiration and a strong pillar of support to the entire human race.

- PUNJAB







### स्टार्टअप्स : छूना है आसमान

यह झांकी स्टार्टअप के संपूर्ण अवधि के विभिन्न चरणों और इस दौरान सरकार द्वारा प्रदान किए गए सम्पूर्ण सहयोग को प्रदर्शित करती है। यह झांकी दर्शाती है कि कैसे नए विचारों को मूर्त रूप दिया जाता है और किस प्रकार ये नवाचार भारत के नागरिकों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। हमारा उद्देश्य भारत के रचना प्रिय युवाओं को प्रेरित करना है, ताकि वे रोजगार ढूँढ़ने की बजाय रोजगार देने वाले बनें और संपत्ति सृजित करने के अपने सपनों को साकार कर सकें।

‘स्टार्टअप इंडिया’ भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देकर एक सशक्त परिवेश का निर्माण करना, स्थायी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। 16 जनवरी, 2016 को शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया कार्य योजना ने पूरे देश में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा दिया है। इस अवधि के दौरान 28 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों के 551 जिलों के 26,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए भारतीय स्टार्टअप्स ने पर्याप्त वैश्विक निवेश आकर्षित किया है और इससे 2,91,000 से अधिक रोजगार अवसर उत्पन्न होने की सूचना प्राप्त हुई है।

झांकी का अग्रभाग एक रचनाशील मस्तिष्क को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न दैनिक समस्याओं के हल के लिए असाधारण संकल्पनाएँ विद्यमान हैं। मध्य-भाग में स्थित “स्टार्टअप इंडिया वृक्ष” की पत्तियाँ सरकार द्वारा स्टार्टअप्स को प्रदान किए गए विभिन्न प्रकार के सहयोग को दर्शाती हैं। विकास रूपी सीढ़ियाँ स्टार्टअप के विकास के विभिन्न चरणों जैसे नए सिद्धान्त का परीक्षण करना, प्रोटोटाइप तैयार करना, व्यवसाय योजना तैयार करना, एक टीम बनाना, बाजार में प्रवेश करना और व्यापार में विस्तार करना आदि को प्रदर्शित करती हैं। पिछले भाग में स्थित चक्र अर्थव्यवस्था के उन क्षेत्रों को प्रदर्शित कर रहा है जिनमें भारतीय निकायों ने देश के आर्थिक विकास को गति प्रदान की है और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। भारत का मानचित्र स्टार्टअप्स के प्रसार का प्रदर्शन कर रहा है, जो तेजी से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। चक्र और भारत का मानचित्र दोनों एक साथ मिलकर देश में चल रही स्टार्टअप इंडिया क्रांति का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

— उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

### STARTUPS — REACH FOR THE SKY

This tableau showcases various stages of the lifecycle of a startup and the all-round support provided by the Government in this journey. The tableau depicts how ideas come and how the innovations emerge positively affect lives of the citizens. Our objective is to inspire and motivate the creative youth to follow their dreams to generate wealth and become job creators in place of job seekers.

‘Startup India’ is a flagship initiative of the Government, intended to build a strong ecosystem to nurture innovation, drive sustainable economic growth and generate large scale employment opportunities. The Startup India Action Plan, launched on 16.01.2016, has stirred entrepreneurial spirit across the country. More than 26,000 startups from 551 districts of 28 States and 7 Union Territories have been recognized in this period. Working across various sectors of economy, Indian startups have attracted substantial global investments and reported more than 2,91,000 jobs.

The front portion depicts a creative mind, full of ideas to solve real world problems. The leaves of the ‘Startup India Tree’ in the middle represent various kinds of Government support provided to startups. The staircase denotes the stages of growth – proving a concept, creating a prototype, preparing a business plan, building a team, launching into markets and eventually scaling up. The wheel at the rear depicts varied sectors of economy where Indian entities have driven economic growth and created employment opportunities at large scale. The map of India represents the spread of the startup movement, steadily reaching the semi-urban and rural areas. The wheel and the map together depict the width and the depth of the Startup India movement in the country.

- Department for Promotion of Industry & Internal Trade



## वित्तीय समावेशन

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय की झांकी वित्तीय समावेशन की उपलब्धियों को दर्शाती है, जिनको संपूर्ण विश्व में सराहा गया है।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) वित्तीय समावेशन के प्रयासों की केंद्र बिंदु रही है जिसके तहत जरूरतमंद लोगों, विशेषकर गरीबों एवं महिलाओं के लिए किफायती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की दिशा में कारगर कदम उठाए गए हैं।

झांकी के सामने का हिस्सा यह दर्शा रहा है की सामान्य जन डिजिटल भुगतान के आसान, सुगम एवं किफायती सेवाओं के प्रयोग से कितने खुश हैं। झांकी के मध्य भाग में यह बताया गया है कि सुदूरग्रामीण क्षेत्र में भी बैंक, शाखाओं, ए.टी.एम और बैंक मित्रों के माध्यम से सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। भीम यूपीआई, रुपये कार्ड इत्यादि जो भारतीय बैंक सेवाओं के आधार स्तम्भ हैं को 'डिजिटल वृक्ष' के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। झांकी का पिछला हिस्सा वित्तीय समावेशन की विभिन्न योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जो उद्यमियों को ऋण प्रदान करती हैं तथा देश के छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान की सेवाएं प्रदान करती हैं। झांकी के दोनों किनारों पर जन-धन, आधार और मोबाइल को दर्शाया गया है, जिससे डी.बी.टी देशवासियों तक पहुँच रहा है। इस झांकी के दोनों तरफ सम्पूर्ण देश के विभिन्न सामाजिक आर्थिक वर्गों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के लोग बैंक एवं वित्तीय सेवाओं की उन तक पहुँच से आनंदित दिख रहे हैं, को दर्शाया गया है।

— वित्तीय सेवाएं विभाग

## FINANCIAL INCLUSION

The tableau of Department of Financial Services, Ministry of Finance depicts the wonderful achievements made in the area of financial inclusion which have been recognized world-wide.

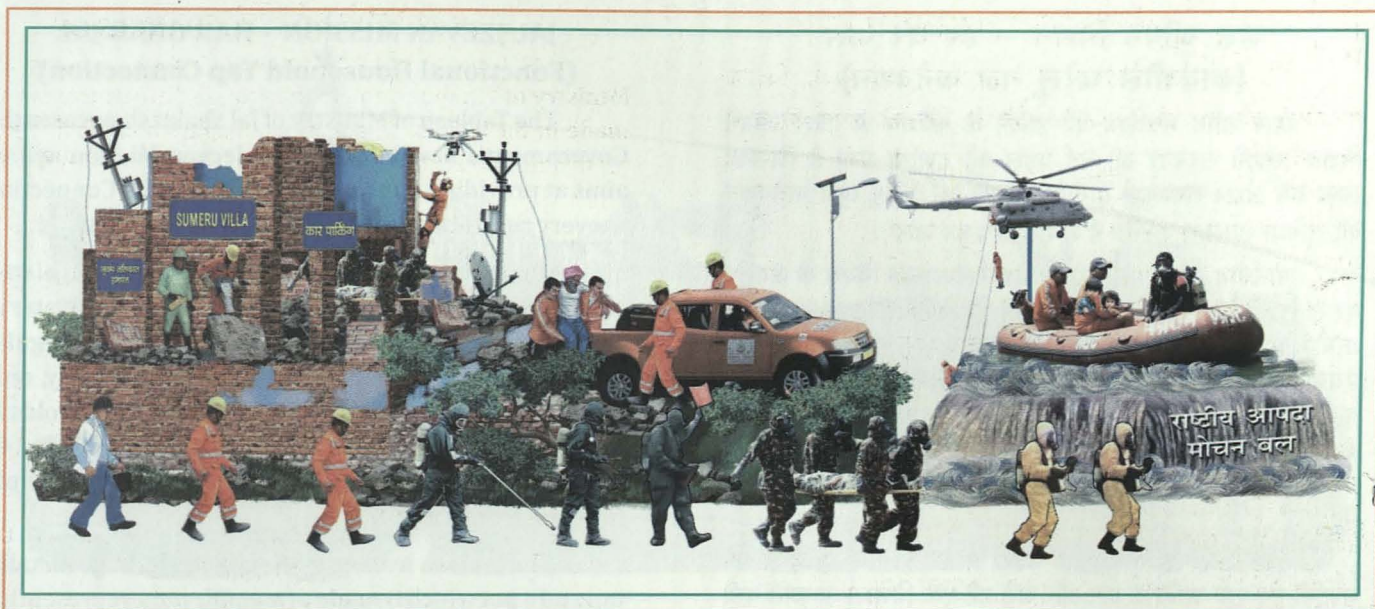
The cornerstone of financial inclusion efforts was the launch of Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) to provide affordable banking services to all, especially the poor and women.

The front portion of the tableau depicts the joy derived by common people while experiencing the ease & accessibility of cost-effective digital payment. Central part of the tableau showcases that banks have reached even the remote rural areas through branches, ATMs & Business Correspondents (BCs). The digital tree with BHIM UPI, RuPay card etc, is the pivot of banking system in India. The rear portion of the tableau highlights contribution of various schemes like Micro-insurance schemes such as Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY), Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY), and Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) in providing credit to small and micro enterprises and Digital payment modes at small merchants throughout the country. Side panels of the tableau are displaying JAM (Jan Dhan account, Aadhaar and Mobile) in the hands of common man which facilitate direct benefit transfer (D.B.T.) to people. People of different socio-economic realms from all over the country on both sides of the tableau are seen enjoying the benefits of banking & financial services.

- DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES







### राष्ट्रीय आपदा मोचन बल

भारतीय संस्कृति में सदैव ही जीवों के संरक्षण की परंपरा रही है। उसी धरोहर को अंगीकृत करते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल अपने ध्येय "आपदा सेवा सदैव" के मार्ग पर प्रशस्त है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की झांकी प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं में मानवीय सेवाओं की अपनी सफल और शानदार यात्रा को प्रदर्शित करती है। यह अपने आप में बहु-कुशल, बहु-आयामी, आत्मनिर्भर आपदा मोचन बल है।

झांकी का अग्रभाग, बाढ़ के दौरान डूब रहे व्यक्ति के साथ-साथ बच्चों एवं जानवरों आदि को "बाढ़ बचाव दल" द्वारा बचाव की कार्रवाई को दर्शाता है। यह हेलीकॉप्टर द्वारा स्लेदरिंग और विंचिंग को दर्शाया गया है। बचाव कार्यों में ड्रोन के उपयोग को भी प्रदर्शित किया गया है। पृष्ठ भाग आधुनिक उपकरणों और संचार व्यवस्था के साथ क्षतिग्रस्त ढांचे में बचाव कार्य को भी प्रदर्शित करता है। पैदल दल रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु इमरजेंसी के दौरान विशेष आधुनिक उपकरणों के साथ सुसज्जित बचाव कर्मियों को दर्शाता है।

— राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ)

### NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE

There has always been a tradition of conservation of organisms in Indian culture. Adopting the same custom, the National Disaster Response Force is always on its motto "Aapda Sewa Sadaiv" disaster service.

The tableau of National Disaster Response Force showcases its successful and illustrious journey of humanitarian service in natural and manmade disasters. It is a specialized multi skilled, multi-disciplinary, single stand-alone disaster response force.

The tableau in the front portion showcases the flood rescue team in action, rescuing the drowned person as well as children and animal etc. It also depicts the slithering and winching by helicopter. The use of drone in the rescue operations has also been shown. The rear portion also showcases the Collapse Structure Rescue with modern equipment and communication set up. The ground team depicts the specialized responder of Chemical, Biological, Radiological and Nuclear emergency with modern equipment.

- NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE (NDRF)



## जल जीवन मिशन – हर घर जल (कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन)

जल शक्ति मंत्रालय की झांकी के माध्यम से 'जल जीवन मिशन' संबंधी सरकार की नई पहल को दर्शाया गया है जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 तक हर ग्रामीण परिवार को घरेलू जल कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराना है अर्थात् "हर घर जल"।

माननीय प्रधान मंत्री जी ने, पिछले स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'जल जीवन मिशन' की घोषणा की थी, ताकि वर्ष 2024 तक, हर ग्रामीण परिवार को नियमित रूप से निर्धारित गुणवत्ता वाला स्वच्छ पेयजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जा सके। फिलहाल देश के कुल 178 मिलियन ग्रामीण परिवारों में से केवल 33 मिलियन परिवारों के पास ही नल का जल कनेक्शन है और लगभग 146 मिलियन परिवारों को वर्ष 2024 तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जाने हैं।

इस झांकी में सामने की ओर, लाखों ग्रामीण परिवारों को दर्शाती हुए एक धात्विक नल और घड़े की एक विशाल आकृति बनी हुई है जो धातु के पात्रों से बनी है। झांकी के मध्य हिस्से में, प्रमुखता से यह दर्शाया गया है कि 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से 'नए भारत' में किसी ग्रामीण परिवार को खुशहाली कैसे प्राप्त होती है। इस झांकी में एक घर दर्शाया हुआ है जिसमें नल से जल की सुविधा (रसोई, शौचालय, स्नानघर), सोखते गढ़दे में गन्दा पानी जाने, इज्जतघर (टॉयलेट) आदि की सुविधा है। इसमें दर्शाया गया है कि परिवार अब बेहतर दिनचर्या की सुविधाओं के साथ अपना जीवन-यापन कर रहा है। झांकी के पिछले हिस्से में ऐसी आकृति दर्शाई गई है जिसमें जल की एक बड़ी बूंद को अंजली में सहेजा जा रहा है जो वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के सामूहिक प्रयासों को दर्शाता है। इसके साथ ही कलाकार नीले रंग की बूंद जैसी आकृति की पोशाक और विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सांस्कृतिक रंगों को दर्शाती पोशाक में साथ चल रहे हैं जो जल जीवन मिशन को जन आन्दोलन बनाने का प्रतीक है।

— जल शक्ति मंत्रालय

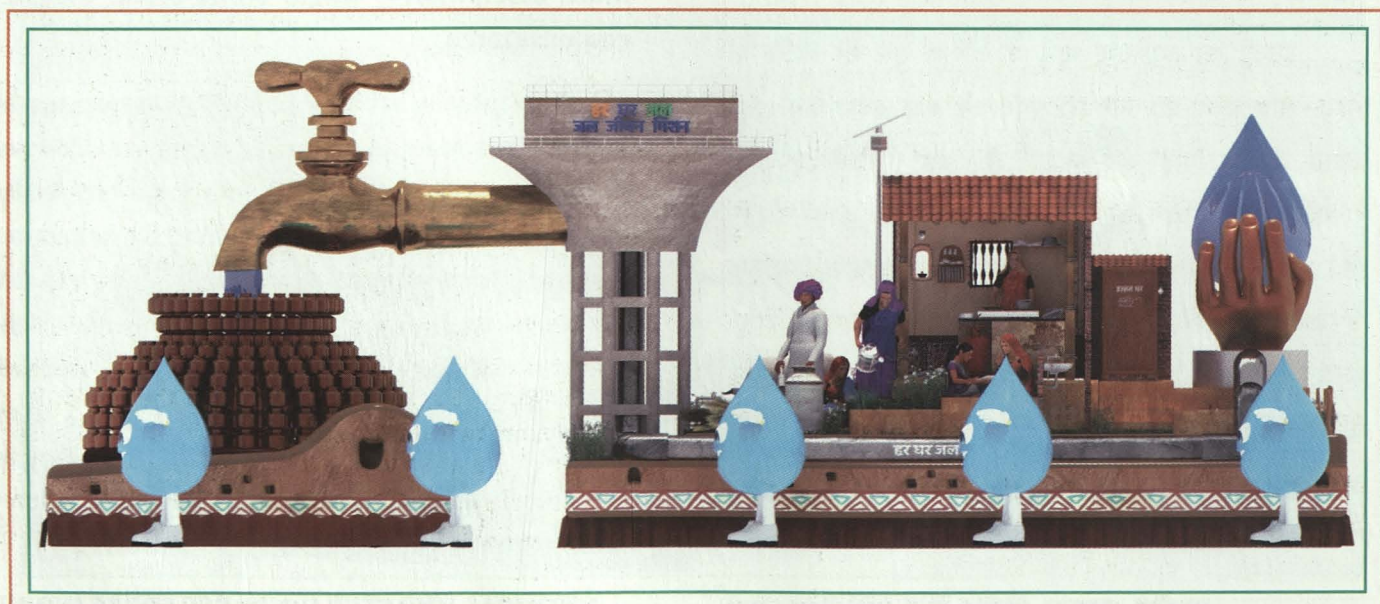
## JAL JEEVAN MISSION – HAR GHAR JAL (Functional Household Tap Connection)

The Tableau of Ministry of Jal Shakti showcases the Government's new initiative 'Jal Jeevan Mission' which aims at providing Functional Household Tap Connection to every rural household by 2024 – Har Ghar Jal.

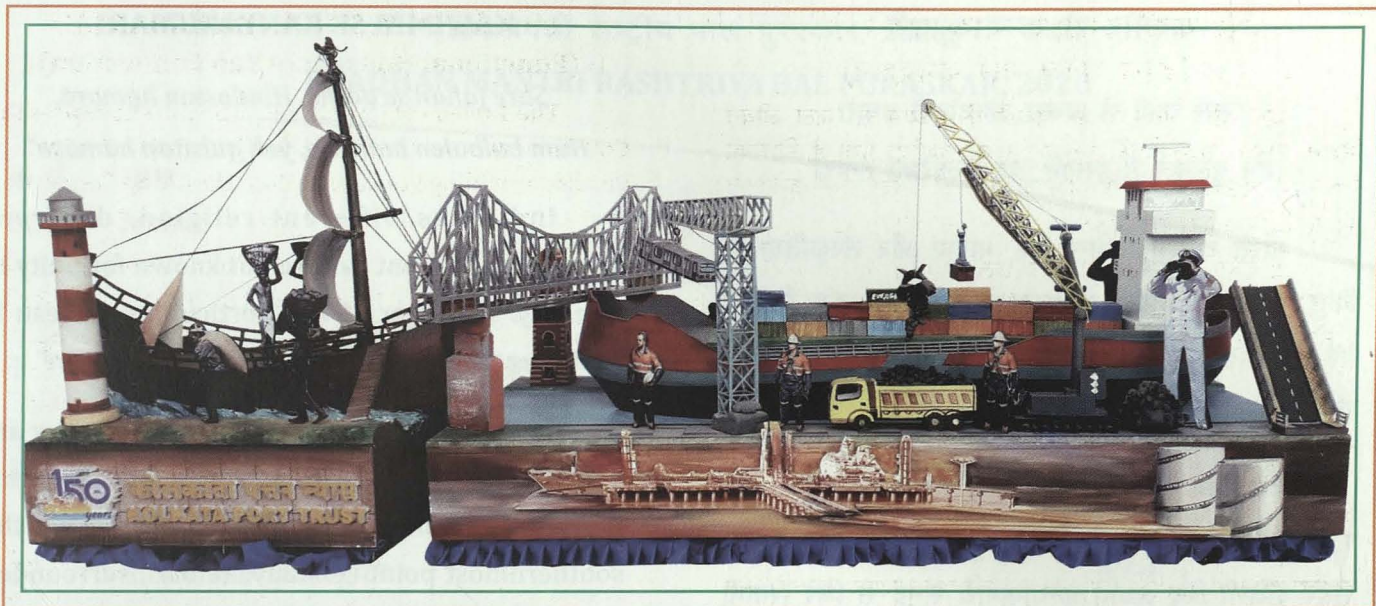
On last Independence Day, Prime Minister announced Jal Jeevan Mission to provide potable water in adequate quantity and prescribed quality on regular basis to every rural household by 2024. Currently, only 33 Million out of the total 178 Million rural households in the country have piped water connections and about 146 Million households are to be provided with household tap connections by 2024.

The tableau front is in the shape of a huge metallic tap and a pot which is made of metallic pots, representing millions of rural households. The middle section showcases how a rural household in 'New India' benefit due to Jal Jeevan Mission. Here, a household can be seen with facility of running water (in kitchen, toilet, washing area), grey-water flowing into a soak pit, izzat ghar (toilet), etc. The family is shown attending to its daily routine with improved quality of life. The rear portion showcases water conservation in the form of a structure that looks like two palms collecting a huge water drop, indicating collective efforts for rainwater harvesting and water conservation. There are artists donned in droplet costumes in blue and cultural attire of different States/UTs walking along, which is symbol of making Jal Jeevan Mission, a Jan Andolan.

- MINISTRY OF JAL SHAKTI







### गौरवशाली अतीत एवं उज्ज्वल भविष्य

पोत परिवहन मंत्रालय के अधीन कोलकाता पत्तन न्यास की यह झांकी इसके गौरवशाली अतीत एवं उज्ज्वल भविष्य को प्रतिपादित करती है जो इसके 150 वर्षों की गौरवशाली गाथा है। कोलकाता पत्तन का आधिकारिक सफर 17 अक्टूबर, 1870 को एक अधिनियम के द्वारा शुरू हुआ था हालांकि काफी पहले से ही यह पत्तन अस्तित्व में था।

कोलकाता में डॉक के प्रारंभ होने के बाद खिदिरपुर डॉक में प्रथम जहाज वर्ष 1892 में पहुंचा था। तब से कोलकाता पत्तन आधुनिकीकरण के विभिन्न दौर से गुजरा है एवं आज कार्गो हैंडलिंग (माल चढ़ाने-उतारने) एवं नौ परिवहन की सुविधाओं में नवीनतम प्रौद्योगिकियों से समृद्ध है, जो बड़े-बड़े आकार के पोत वाहनों को अपनी सेवा देने में पूर्ण रूप से सक्षम है।

इस झांकी के अग्र भाग की शुरुआत एक पुराने जहाज की पारंपरिक स्मारिका से होती है जो बीते समय के उन जहाजों की याद ताजा कराती है जो प्रथम डॉक के निर्माण के समय यहां पहुंचे थे। इसमें मजदूरों (उन दिनों कुली कहे जाते थे) द्वारा माल चढ़ाने एवं उतारने के कार्यों को दर्शाया गया है। ऐतिहासिक लाइट हाउस एवं क्लॉक टावर जो इस बंदरगाह की बेहद उपयोगी संपत्ति एवं प्रतिष्ठित विरासत है वो इसके बीते समय व भारत के सबसे प्राचीन पत्तन के गौरवशाली समुद्री सफर को प्रतिबिम्बित करते हैं। झांकी के मध्य भाग में हावड़ा ब्रिज या रबीन्द्र सेतु को दर्शाया गया है, यह भारत की सर्वोत्तम इंजीनियरिंग एवं स्थापत्यकला की मिसाल है जिसका निर्माण व रखरखाव इस पत्तन द्वारा पिछले 76 वर्षों से बड़े गर्व के साथ किया जा रहा है। कोलकाता डॉक प्रणाली एवं हल्दिया डॉक परिसर इस बंदरगाह के दो डॉक प्रणाली है जो अन्य कार्यों के साथ-साथ बड़ी मात्रा में कंटेनर एवं लिक्विड कार्गो के संचालन का भी दायित्व निभाते हैं। पृष्ठ भाग में खिदिरपुर डॉक के मोटरसंचालित बास्कुल ब्रिज को एनिमेशन के माध्यम से दर्शाया गया है जो एक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का परिचायक है।

— डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन न्यास,  
पोत परिवहन मंत्रालय

### GLORIOUS PAST AND VIBRANT FUTURE

The tableau of the Kolkata Port Trust, under the Ministry of Shipping is a representation of the theme - Glorious Past and Vibrant Future which is a glorious saga of 150 years. The Port of Calcutta began its official journey on 17 October 1870 by an Act, although, the Port was in existence long before.

After the beginning of the Docks at Kolkata, the first ship had arrived at Kidderpore Dock in 1892. Since then, Kolkata Port has witnessed stages of modernisation, and is today equipped with the latest technology in cargo handling and riverine navigation enabling it to service even cape-sized vessels.

The front portion of the tableau begins with a heritage replica of an old ship, reminiscent of the ships that arrived at the time of the formation of the first docks. It shows the labourers (then called 'Coolies') loading and unloading goods. The historic light house and clock tower, all prestigious utilitarian possessions of the Port, symbolise the passage of time and the glorious riverine journey of India's oldest Port in existence. The middle portion focuses on the Howrah Bridge or Rabindra Setu, one of the city's finest engineering and architectural icons built and maintained over last 76 years with pride by the Port. Kolkata Dock System and the Haldia Dock Complex are twin dock systems, handling, inter alia, large volumes of containers and liquid cargo. At the rear another engineering marvel, the motorised Bascule Bridge at Kidderpore Docks has been featured through animation.

- DR. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE PORT TRUST,  
MINISTRY OF SHIPPING



## कश्मीर से कन्याकुमारी

"सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा  
हम बुलबुले हैं इसकी, यह गुलसितां हमारा"

भारत देश में विभिन्न धर्म, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, किंतु इसे अपनी अनेकता में एकता के लिए जाना जाता है। इस वर्ष केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग की झांकी हमारा राष्ट्र "कश्मीर से कन्याकुमारी" को प्रदर्शित करती है।

इस झांकी में देश के विभिन्न राज्यों को रंगीन और सुगंधित फूलों के द्वारा दर्शाया गया है। झांकी का अग्रभाग सुदूर दक्षिणी बिंदु अर्थात् कन्याकुमारी समुद्र से घिरे (स्वामी विवेकानंद स्मारक) को दर्शा रहा है। मध्य भाग "सांची स्तूप" को दर्शा रहा है जो मध्य प्रदेश में स्थित पुरानी वास्तुकलाओं में से एक है और "शांति का संदेश" देता है। झांकी के एक ओर उपमहाद्वीप के पश्चिमी भाग को दर्शाने वाले राजस्थान और मरुस्थल के जहाज (ऊंट) को और देश की विभिन्न संस्कृतियों को एकसूत्र में बांधे हुए दिखाया गया है। इसके अतिरिक्त, कलाकार विभिन्न धर्मों की एकता और अखंडता को दर्शा रहे हैं।

— केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी)

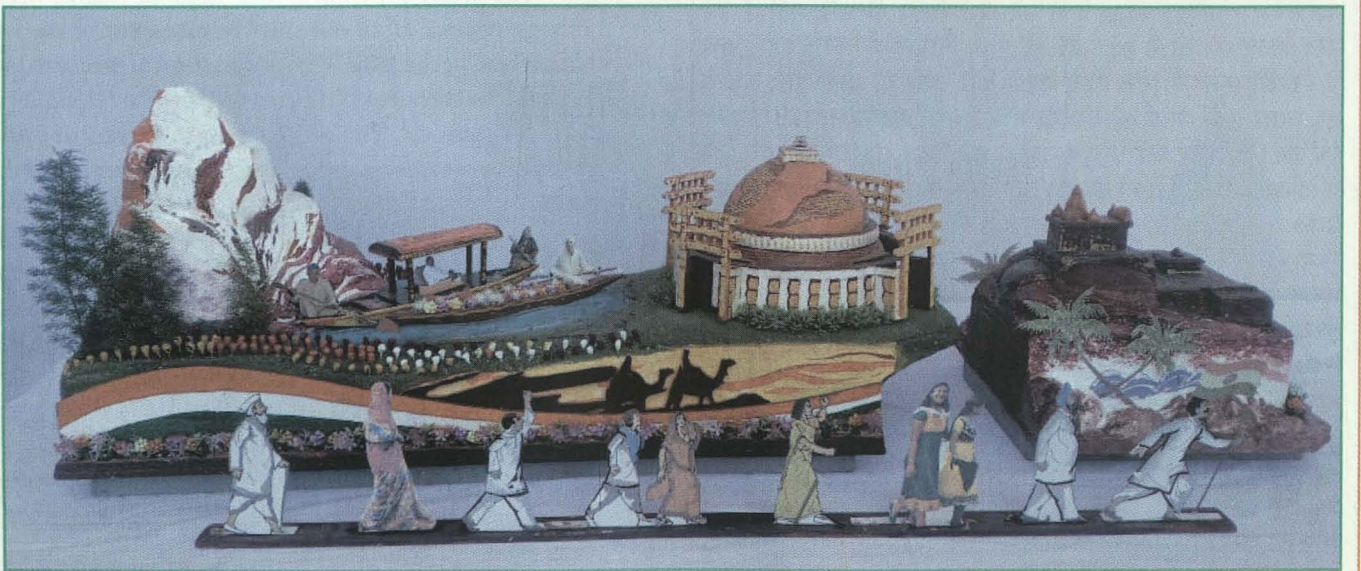
## KASHMIR SE KANYAKUMARI

"Sare jahan se accha, Hindostan hamara,  
Hum bulbulen hain iski, yeh gulsitan hamara".

India has different religion, different languages, different culture but known for unity in diversity. This year CPWD Horticulture tableau is depicting the nation "Kashmir Se Kanyakumari".

In the tableau, different parts of country are shown, decorated with colourful and fragrant flowers. The front portion of the tableau shows the southernmost point i.e. Kanyakumari, surrounded by the sea (memorial of Swami Vivekananda). The middle portion represents Sanchi Stupa, which is one of the oldest stone structures at Sanchi in Madhya Pradesh, spreading the "Message of peace". In the side panel, Rajasthan represents the western part of the sub-continent showing the Jahaj of the desert (Camel) and binds the country together with its diverse culture. Apart from this, the artists showcase different religions representing unity and integrity.

- CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT (CPWD)





प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2020

PRADHAN MANTRI RASHTRIYA BAL PURASKAR, 2020

क्र.सं. S.No	नाम Name	नवरचना Innovation	राज्य State
1	मास्टर हर्ष अग्रवाल Master Harsh Agarwal		छत्तीसगढ़ Chhattisgarh
2	मास्टर अनमोल राठी Master Anmol Rathi		छत्तीसगढ़ Chhattisgarh
3	मास्टर साग्निक अनुपम Master Sagnik Anupam		दिल्ली Delhi
4	मास्टर अर्जुन पाण्डेय Master Arjun Pandey		दिल्ली Delhi
5	मास्टर राघव पुरी Master Raghav Puri		दिल्ली Delhi
6	मास्टर तनिश गोयल Master Tanish Goel		दिल्ली Delhi
7	मास्टर पारितोष दहिया Master Paritosh Dahiya		हरियाणा Haryana
8	कुमारी सुनीता मूर्जे प्रभु Kumari Suneetha Murje Prabhu		कर्नाटक Karnataka
9	मास्टर रिचर्ड जोसेफ Master Richard Joseph		केरला Kerala
10	मास्टर हृदयेश्वर सिंह Master Hridayeshwar Singh		राजस्थान Rajasthan
11	मास्टर शिवभारती अन्बू भारती Master Sivabharathi Anbu Bharathi		तमिलनाडु Tamil Nadu
12	कुमारी अर्पणा सी Kumari Aparna C		तमिलनाडु Tamil Nadu
13	मास्टर पार्थ बंसल Master Parth Bansal		उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
14	कुमारी हर्षिता अरोड़ा Kumari Harshita Arora		उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh



## प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2020

## PRADHAN MANTRI RASHTRIYA BAL PURASKAR, 2020

क्र.सं. S.No	नाम Name	राज्य State
<b>समाज सेवा Social Service</b>		
15	कुमारी परीकुल भारद्वाज Kumari Parikul Bhardwaj	दिल्ली Delhi
16	मास्टर शौर्य सिन्हा Master Shaurya Sinha	हरियाणा Haryana
17	मास्टर पार्थ सारथी Master Parth Sarthi	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
18	कुमारी सुकृति चिड़ीपाल Kumari Sukriti Chiripal	पश्चिम बंगाल West Bengal
<b>शैक्षिक Scholastic</b>		
19	मास्टर चिराग फलोर Master Chirag Falor	दिल्ली Delhi
20	कुमारी जेनिशा सुनील अग्रवाल Kumari Jennisha Sunil Agrawal	गुजरात Gujarat
21	मास्टर ओंकार सिंह Master Onkar Singh	जम्मू एंड कश्मीर Jammu & Kashmir
22	मास्टर सिद्धार्थ कुमार गोपाल Master Siddharth Kumar Gopal	केरला Kerala
23	मास्टर देवेश भैया Master Devesh Bhaiya	महाराष्ट्र Maharashtra
24	मास्टर यश मिश्रा Master Yash Mishra	ओड़िशा Odisha
25	मास्टर वेंकटसुब्रमणियन Master Venkatasubramanian	पुदुचेरी Puducherry



## प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2020

## PRADHAN MANTRI RASHTRIYA BAL PURASKAR, 2020

क्र.सं. S.No	नाम Name	राज्य State
कला एवं संस्कृति Art & Culture		
26	कुमारी शरण्या मुदुन्डि Kumari Sharanya Mudundi	आंध्र प्रदेश Andhra Pradesh
27	मास्टर प्रगुण पुदुकोली Master Pragun Pudukoli	कर्नाटक Karnataka
28	कुमारी रिया जैन Kumari Riya Jain	मध्य प्रदेश Madhya Pradesh
29	अथर्व मनोज कुमार लोहार Master Atharva Manoj Kumar Lohar	महाराष्ट्र Maharashtra
30	मास्टर दर्श मालानी Master Darsh Malani	तेलंगाना Telangana
31	कुमारी गौरी मिश्रा Kumari Gauri Mishra	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
32	मास्टर कोरोक बिस्वास Master Korok Biswas	पश्चिम बंगाल West Bengal
खेल-कूद Sports		
33	कुमारी अकूला साई संहिता Kumari Akula Sai Samhitha	आंध्र प्रदेश Andhra Pradesh
34	कुमारी संचिता तिवारी Kumari Sanchita Tiwari	दिल्ली Delhi
35	कुमारी पर्ल मिलिन्द कोलवालकर Kumari Pearl Milind Colvalcar	गोवा Goa
36	कुमारी खुशी हुड्डा Kumari Khushi Hooda	हरियाणा Haryana
37	मास्टर पृथु गुप्ता Master Prithu Gupta	हरियाणा Haryana



प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2020  
PRADHAN MANTRI RASHTRIYA BAL PURASKAR, 2020

क्र.सं. S.No	नाम Name	राज्य State
38	कुमारी नेहा Kumari Neha	हरियाणा Haryana
39	मास्टर यश अराध्या Master Yash Aradhya	कर्नाटक Karnataka
40	कुमारी सुदीप्ती हजेला Kumari Sudipti Hajela	मध्य प्रदेश Madhya Pradesh
41	मास्टर समन्यु पोटुराजु Master Samanyu Pothuraju	तेलंगाना Telangana
42	कुमारी ईशा सिंह Kumari Esha Singh	तेलंगाना Telangana
43	कुमारी आरुषि शर्मा Kumari Aarushi Sharma	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
44	मास्टर विनायक बहादुर Master Vinayak Bahadur	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
45	मास्टर रूशिल खोसला Master Rushil Khosla	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh
<b>वीरता Bravery</b>		
46	कुमारी पेमा Kumari Pema	अरुणाचल प्रदेश Arunachal Pradesh
47	मास्टर ईशान शर्मा Master Ishaan Sharma	हरियाणा Haryana
48	मास्टर लालकानसुंग Master Lalkansung	मणिपुर Manipur
49	मास्टर सौम्यदीप जाना Master Soumyadip Jana	पश्चिम बंगाल West Bengal



## योग – विश्व शांति की ओर

योग प्राचीन भारतीय परंपरा का बहुमूल्य उपहार है। यह मन और तन, विचार एवं कार्य, संयम तथा पूर्ति और मनुष्य और प्रकृति के बीच समंजस्य की एकता को सुदृढ़ बनाता है। योग व्यायाम के बारे में नहीं बल्कि यह एकता और स्वयं, विश्व तथा प्रकृति के ज्ञान की खोज है। यह स्वस्थ जीवन चर्या की कला और विज्ञान है। अब ए जी डीएवी, मॉडल टाउन, दिल्ली के 160 विद्यार्थी योग-विश्व शांति की ओर पद आधारित कलाबाजी रूप में विभिन्न योग मुद्राएं प्रस्तुत कर रहे हैं।

— डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल  
मॉडल टाउन, दिल्ली

## गरबा नृत्य

नवरात्रि के दौरान शक्ति की आराधना में परंपरागत रूप से किया जाने वाले गुजरात के अत्यंत लोकप्रिय नृत्य गरबा में अनेक प्रभाव और स्वरूप सम्मिलित हैं। क्षेत्र की लोक विरासत के समृद्ध, रंगपटल भाग के रूप में गरबा लगभग एक मिलेनियम से साहित्यिक, धार्मिक अनुष्ठान तथा लोक नृत्य के रूप में साझा किए गए गुजराती विरासत का अभिन्न बहुसंयोजी घटक रहा है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र-उदयपुर, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की इस प्रस्तुति में गुजरात के विभिन्न विद्यालयों की 150 छात्राएं इस नृत्य को प्रस्तुत कर रही हैं।

— पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर

## YOG – VISHWA SHANTI KI AUR

Yoga is an invaluable gift of ancient Indian tradition. It embodies unity of mind and body, thought and action, restrain and fulfillment, and harmony between man and nature. Yoga is not about exercise, it is the discovery of the sense of oneness and ourself, the world and nature. It is an art and science of healthy living. Now, 160 students of AG DAV, Model Town Delhi present different Yoga posture in acrobatic forms, based on Yog Vishwa Shanti ki Aur.

- DAV CENTENARY PUBLIC SCHOOL,  
MODEL TOWN, DELHI

## GARBA DANCE

Many layers of influences have conceived and shaped Garba, the most popular folk dance of Gujarat, traditionally performed during Navratri in worship of Shakti. As a part of region's rich repertoire of folk heritage, Garba has been an integral, multivalent component of Gujarati shared heritage for almost a millennium as a literary genre, religious ritual and folk dance. 150 girls from different schools of Gujarat are performing in this presentation of West Zone Cultural Centre- Udaipur, Ministry of Culture, Govt of India.

- WEST ZONE CULTURAL CENTRE, UDAIPUR



## बाउल

“बाउल” ऐतिहासिक बंगाल क्षेत्र के लोक गायकों का समूह है। बाउल में वैष्णव हिंदू और सूफी मुसलमान दोनों का समावेश होता है।

इनकी पहचान इनकी विशिष्ट पोशाक और संगीत वाद्ययंत्रों से होती है। “भेंगे मोर घोरेर छबि” बाउल परंपराओं के पारलौकिक जीवन द्वारा प्रेरित कवि गुरु रवीन्द्र नाथ टैगोर द्वारा रचित प्रसिद्ध गाना है।

विनय नगर बंगाली सीनियर सैकेंडरी स्कूल के 160 विद्यार्थियों का समूह प्रेम विषय-वस्तु को अपनाकर बंगाली परिवेश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रस्तुत करता है।

— विनय नगर बंगाली सीनियर सैकेंडरी स्कूल,  
सरोजिनी नगर

## राजस्थान का लोकनृत्य

राजस्थान का लोकनृत्य मरुभूमि और उसके प्रमाण-प्रतीक के सौन्दर्य को प्रस्तुत करता है। यह रेतीले टीलों की भूमि है, इसका सौन्दर्य अनूठा है। यहां के व्यक्ति और महिलाएं बहादुर और साहसी होती हैं।

इस गीत में राजस्थान की सुंदर बालाएं जो पानी लेने जा रही हैं और अपनी रंगारंग संस्कृति, समृद्ध परंपराओं तथा वीर लोगों की प्रशंसा में गाकर प्रस्तुति दे रही हैं। जिनकी प्रशंसा में वहां का प्रत्येक कोना—जयपुर में आमेर से जोधपुर में मंडोर तक सम्मिलित है। कर्णी माता मंदिर बीकानेर का गौरव है जबकि आबू हमारा मुकुट है। जैसलमेर हमारे रक्षक के रूप में है।

— सर्वोदय कन्या विद्यालय, जनकपुरी

## BAUL

The Baul are a group of mystic minstrel from the historical Bengal region. Bauls constitute both Vaishnava-Hindus and Sufi Muslims.

They are identified by their distinctive apparel and musical instruments. “Bhenge Mor Ghorer Chabi” is a well known song composed by Kavi Guru Ravindra Nath Tagore inspired by eternity of baul traditions.

A group of 160 students of Vinay Nagar Bengali Sr. Sec. School takes up the theme of love and constitutes the Bengali essence, its long yet diversified cultural traditions.

— VINAY NAGAR BENGALI SR. SEC. SCHOOL,  
SAROJINI NAGAR

## RAJASTHAN FOLK DANCE

The Rajasthan folk dance form depicts the beauty of desert and its hallmarks. It is land of Sand dunes, its beauty is ineffable. Men and Women here are brave and courageous.

This song depicts the beautiful Rajasthani maidens going to fetch water and sing the praise of their colourful culture, rich traditions and valiant people. Their praise resonates in every corner of the land – from Amer in Jaipur to Mandor in Jodhpur. Karni Mata is the pride of Bikaner, while Abu is our Crown. Jaisalmer stands as our guard.

— SARVODAYA KANYA VIDYALAYA, JANAKPURI



ધન્યવાદ  
*Thank You*



Printed by : Arihant Offset  
Plot No. 229, Nangli Sakrawati Industrial Area  
Nazafgarh Road, New Delhi-110043





**Ministry of Defence  
Ceremonials Division**